















साहित्य–संगीत–कला को समर्पित

शब्द

2022 | 2023 | 2024 | 2025

चरण–18,19,20,21 (चार वर्षीय संकलन)



शब्द शक्ति की आराधना के लिए

शब्दम् ध्वनि, नाद और अर्थ का सम्मिलित रूप है। इसके व्यापक क्षेत्र के अन्तर्गत विविध साहित्य–संगीत–कला स्वतः ही आ जाते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर माँ शारदा की कृपा से 17 नवम्बर 2004 को इस संस्था (शब्दम्) का गठन शिकोहाबाद, जिला फिरोजाबाद, राज्य उत्तर प्रदेश, भारत वर्ष में हुआ।

उद्देश्य

1. हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं जैसे कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध आदि की उच्चस्तरीय रचनाओं और नवलेखन को बढ़ावा देना तथा उपलब्ध साहित्य को जन साधारण के सामने प्रस्तुत करना।
2. विविध भारतीय ललित कलाओं, संगीत एवम् साहित्य को प्रोत्साहित करना।
3. देश–विदेश में राष्ट्रभाषा हिन्दी के गौरव के लिए प्रयास करना।
4. हिन्दी को शिक्षण और बोलचाल के क्षेत्र में लोकप्रिय बनाना।
5. हिन्दी को रोज़ी–रोटी प्राप्त करने की भाषा बनाना तथा सब तरह के कारोबार में इसके प्रयोग को बढ़ावा देना।
6. भारत की एकता के लिए हिन्दी की सेवा करना।
7. हिन्दी को आधुनिक तकनीक से जोड़ना।

सम्पर्क:

शिकोहाबादः दीपक औहरी – 9759213018, मोहित जादोंन – 9358361489
शब्दम्, बजाज इलेक्ट्रिकल्स आवासीय परिसर, शिकोहाबाद – 283141
ई–मेलः shabdamhoskb@gmail.com, pmhoskb@gmail.com

www.shabdamhindi.com

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित

शब्दम्

शब्दम् न्यासी मंडल

अध्यक्ष

श्रीमती किरण बजाज

उपाध्यक्ष

प्रो. नन्दलाल पाठक

(पूर्व कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी)

श्री उदय प्रताप सिंह

(पूर्व सांसद व कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान)

वरिष्ठ सदस्य

श्री शेखर बजाज

श्री मुकुल उपाध्याय

विशिष्ट सलाहकार

डॉ. ध्रुवेंद्र भदौरिया

डॉ. महेश आलोक

डॉ. रजनी यादव

श्री अरविंद तिवारी

श्रीमती सुदीप्ता व्यास

श्रीमती आशा जोशी

स्पिक मैक चैप्टर शिकोहाबाद

श्री मनोज कुलश्रेष्ठ

श्री पुष्कर तिवारी **श्री समीर विश्वास**

श्री दीपक औहरी **श्री मोहित जादौन**

अनुक्रम

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित
शब्दम्

शीर्षक — पृष्ठ सं.

अध्यक्ष की लेखनी से — 05

साहित्यिक कार्यक्रम

1. वसंत काव्य गोष्ठी — 06–07
2. शिक्षक दिवस — 8–10
3. 'दिगम्बर विद्रोहिणी अक्क महादेवी' पुस्तक चर्चा — 11
4. हिन्दी दिवस — 12–13
5. प्रश्नमंच — 14–16
6. शरद पूर्णिमा–पधारी चाँदनी है — 17
7. कतकी पूनो — 17
8. स्वतंत्रता दिवस — 18
9. हरिशंकर परसाई के व्यंग्य पर चर्चा — 19
10. एकल बुंदेली काव्य पाठ — 19
11. स्थापना दिवस समारोह — 20–22

सांस्कृतिक आयोजन

12. महिला दिवस — 23
13. योग दिवस — 24–25
14. रक्षाबंधन — 26
15. गणतंत्र दिवस — 26–27
16. प्रकृति एवं संस्कृति पर विद्यार्थियों के मध्य गोष्ठी — 28
17. बहन बचाओ विचार गोष्ठी — 28

आध्यात्मिक कार्यक्रम

18. गुरु पूर्णिमा–आचार्य सम्मान समारोह — 29
19. प्रभु श्रीराम–गीत/कविता एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता — 30
20. रामकथा, सुंदरकाण्ड — 30–32
21. गीता जयंती — 33

शीर्षक — पृष्ठ सं.

ललित कला प्रदर्शन

(स्पिक मैके के सहयोग से)

22. भारतीय शास्त्रीय ओडिसी नृत्य–गीता महालिक — 34
23. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायक –पं. भोलानाथ मिश्र — 35
24. भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम्–प्रीतम दास — 35
25. बाँसुरी एवं शहनाई वादक – पं. राजेन्द्र प्रसन्ना — 36
26. विश्वविख्यात कथक नृत्यांगना – शिप्रा जोशी — 36
27. सात्विक वीणा वादक – पं. सलिल भट्ट — 37
28. शास्त्रीय गायक – डॉ. अविनाश कुमार — 37
29. सुप्रसिद्ध ओडिसी कलाकार–गीतांजलि आचार्य — 38
30. ग्रैमी अवार्ड विजेता पदम् भूषण – पं. विश्व मोहन भट्ट — 38–39
31. भारतीय शास्त्रीय गायक – पं. गौतम काले — 39

विविधा

- जानकीदेवी बजाज जयंती एवं पुरस्कार — 40
- जमनालाल बजाज जयंती एवं पुरस्कार — 41
- गीतिका बजाज चित्रकला प्रदर्शनी — 42
- शब्दम् से जुड़े लेखकों के पुस्तक प्रकाशन — 43

सम्मान — 44.45

- प्रो. नंदलाल पाठक
- श्री मंज़र–उल वासै
- डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया
- श्री अरविन्द तिवारी
- डॉ. सुबोध दुबे

- स्मृति शेषः मंज़र–उल वासै — 46
- प्रो. नंदलाल पाठक की ग़ज़लें — 47
- क्यों अहम है कविता ? — 48



हिन्दी प्रेमी बन्धुओ! नमस्ते

विषम परिस्थितियों के फलस्वरूप, शब्दम् वार्षिकी चरण 18, चरण 19 एवं चरण 20 का प्रकाशन न हो सका।

आप सब सहृदय 'साहित्य–संगीत–कला' प्रेमी बन्धुओं के सक्रिय सहयोग से शब्दम् का कारवाँ गतिशील है और उसने 17 नवम्बर, 2025 को अपना 21वाँ स्थापना दिवस समारोह हिन्दी भवन, दिल्ली में पूरी भव्यता और मनोयोग से मनाया।

शब्दम् वार्षिकी का 21वाँ चरण आपके समक्ष है जो अपने कलेवर में चरण 18, चरण 19, एवं चरण 20 की सभी गतिविधियों की समस्त जानकारी लिए हुए है।

शब्दम् अपनी स्थापना से ही, अपनी अभिव्यक्ति एवं उद्देश्यों के क्रियान्वयन में प्रौढ़ एवं प्रज्ञावान रहा है पर एक अन्य दृष्टि से किशोरावस्था से वयस्क होने की, युवा अवस्था में पहुंच गया है।

जीवन के इस महत्त्वपूर्ण पड़ाव को परिलक्षित कर, 21वें स्थापना दिवस समारोह के अध्यक्षीय उद्‌बोधन में हर उस व्यक्ति को याद किया गया जिसने शब्दम् की स्थापना – विकास यात्रा में सहयोग किया और उन सहयोगियों को भी जो आज हमारे बीच नहीं हैं।

21वें चरण के प्रकाशन के इस अवसर पर, मैं न्यासी एवं सलाहकार मंडल, समय–समय पर पधारे साहित्यकारों–कवियों–कलाकारों का और समस्त सुधी जनों का जो शब्दम् कार्यक्रमों में भाग लेकर, आयोजनों को सफल बनाते रहे, अंतस से आभार–धन्यवाद प्रकट करती हूँ।

शब्दम् का बहुत वर्षों से यह दृष्टिकोण है कि विद्यालयों में हिन्दी नाटक कार्यशाला, डिबेट, कविता आदि के प्रकोष्ठ बनें, जिससे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में बहुआयामी विकास हो।

शब्दम् की गतिविधियाँ, शिकोहाबाद से बाहर निकल कर अन्य जनपदों में भी हों।

इसके लिए हिन्दी अनुरागी, समर्पित व्यक्तियों की परम आवश्यकता है।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शरद के बाद हेमंत आया ही नहीं, हम सब सीधे ही ग्रीष्म में प्रवेश कर गये। इस बदलाव को सहजता – सावधानी से लेकर परिवार सहित स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

किरण बजाज

किरण बजाज
अध्यक्ष, शब्दम्

2023

शब्दम् संस्था प्रतिवर्ष वसंत पंचमी के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन करती रही है। गोष्ठी में हिन्दी के अतिरिक्त विभिन्न स्थानीय भाषाओं और बोलियों के कवियों को आमंत्रित किया जाता है, जैसे ब्रजभाषा, भोजपुरी, मैथिली, अवधी, बुंदेलखंडी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वसन्त ऋतु पर आधारित कविताओं को जनसामान्य के बीच प्रस्तुत करना, हिन्दी कविता के प्रति प्रोत्साहित करना एवं काव्यरस की संस्कृति को बढ़ावा देना है।



समूह छायांकन

21 फरवरी 2023 को वसंत पर्व के उपलक्ष्य में शब्दम् द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन शिकोहाबाद (उ.प्र.) संस्कृति भवन में किया गया। कवि कृष्ण कुमार 'कनक', ने अपनी कविता 'लो पतझर का हो गया अंत, आया वसंत छाया वसंत.....' कवि प्रोफेसर ए.बी. चौबे ने अपने काव्य पाठ में 'देखकर नादान बनना सीख लो, जानकर अंजान बनना सीख लो....' कवयित्री अनामिका सिंह ने अपनी कविता 'पीली सरसों के खेतों का अद्भुत सम्मोहन, धमाचौकड़ी करता–फिरता था अल्हड़ बचपन....' से पूरे सभागार को वसंतमय कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुबोध दुबे ने वसंत के कई आयामों को अपने उद्बोधन के माध्यम से प्रस्तुत किया। अध्यक्षता डॉ. चन्द्रवीर जैन ने की। संचालन अरविंद तिवारी ने किया।


कवि प्रोफेसर ए.बी. चौबे


कवयित्री अनामिका सिंह


कवि कृष्ण कुमार 'कनक'


लो पतझड़ का हो गया अंत आया बसंत छाया बसंत

शब्दम संस्था ने मैनपुरी में बसंत काव्य गोष्ठी का किया आयोजन

शिकोहाबाद (सच कहूँ न्यूज)। वसंत पर्व के उपलक्ष्य में शब्दम ने मैनपुरी में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी का शुभारंभ कवयित्री अनामिका सिंह अना ने सरस्वती वंदना से किया। शब्दम संस्था की अध्यक्ष किरण बजाज ने मुख्यई से भेजी उनकी कविता को सभागार में पढ़कर सुनाया। शब्दम उपाध्यक्ष प्रो. नंदलाल पाठक के कविता को सुनाया कवि कृष्ण कुमार कनक, प्रोफेसर एबी चौबे, कवयित्री अनामिका सिंह अना ने कविताओं से पूरे सभागार को वसंतमय कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा सुबोध दुबे ने वसंत के कई आयामों को प्रस्तुत किया। अध्यक्षता कर रहे डा चन्द्रवीर जैन ने वसंत काव्य गोष्ठी को रोली से जोड़ते हुए सम्बोधित किया। मंच पर रंग तरंग भरे मन, गोप लिए कर में पिचकारी, लाल गुलाल उड़ो नभ में, पट पीत लसे तन पर पिरधारी ने सभागार को वसंत के साथ होलीमय कर दिया। कनक ने कहा कि लो पतझड़ का हो गया अंत आया वसंत छाया वसंत। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन अरविन्द तिवारी ने किया। कार्यक्रम में अरए चजा, डॉ दीवान सिंह, शिवरतन सिंह, आरती शिवहरे, लक्ष्मीनारायण यादव, पीके शर्मा, एनी सिंह, अरुण यादव, उदयवीर शर्मा, आरके बंसल, आलोक अर्श, रवेश कुलश्रेष्ठ, कीर्ति कुलश्रेष्ठ, केके कुलश्रेष्ठ, अनिल पालीवाल, राकेश पालीवाल, इन्द्रा त्रिपाठी, शरद भोजा, रविन्द्र रंजन, शिवनाथ, मीनू यादव, प्रीत्या चौधे सहित नगर के कई कवि एवं साहित्यकार मौजूद रहे।

2024



समूह छायांकन

16 फरवरी 2024 को शब्दम् संस्था के तत्त्वावधान में वसंत पर्व के उपलक्ष्य में 'श्रीराम काव्य गोष्ठी' का आयोजन उ.प्र. शिकोहाबाद स्थित संस्कृति भवन में हुआ। कवि उत्तम सिंह 'उत्तम' ने अपने काव्य पाठ में अपनी रचना 'गुनगुनी धूप धारो धरा ने नवीन रूप पहनी पीत सरसों की वाटिका सुहाई....' कवि सत्यदेव पाण्डेय की कविता 'मानस की लोकप्रियता घर–घर फैल गई....' कवयित्री अपराजिता सिंह 'श्रेया' की रचना 'राम–राम अभिवादन करते, हिंदू की पहचान यही है। यहाँ राम का जन्म हुआ था, पूरा हिंदुस्तान यही है....' सुनाकर सभागार को श्रीराम मय कर दिया।

संचालन अरविंद तिवारी ने किया।


कवि उत्तम सिंह 'उत्तम'


कवयित्री अपराजिता सिंह 'श्रेया'


कवि सत्यदेव पाण्डेय



राम-राम अभिवादन करते, हिंदू की पहचान यही...

शिकोहाबाद (अमर भारती)। बसंत पंचमी पर्व के उपलक्ष्य में शब्दम् संस्था द्वारा श्रीराम काव्य गोष्ठी का आयोजन संस्कृति भवन सभागार हिंदलेम्पस में किया गया। काव्य गोष्ठी में उत्तम सिंह उत्तम, सत्यदेव पाण्डेय व अपराजिता सिंह 'श्रेया' द्वारा श्रीराम पर काव्य रचनाओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंजर उलवासे कवियों का परिचय दिया।

गीतिका बजाज ने अपने संदेश में कविता को सुनाया। शब्दम् अध्यक्ष किरण बजाज ने अपने संदेश में कहा कि बसंत तब ही सुंदर होगा, जब पर्यावरण सुंदर होगा। कवि उत्तम सिंह उत्तम ने अपनी रचना गुनगुनी धूप धारो धरा ने नवीन रूप पहनी, पीत सरसों की सुनाई। कवि सत्यदेव पाण्डेय ने पढ़ा, 'जीवन एक अबूझ पहेली, कोई मर्म नहीं जाना'। कवयित्री अपराजिता सिंह ने पढ़ा राम-राम अभिवादन करते, हिंदू की पहचान यही है। संचालन अरविन्द तिवारी ने किया। इस दौरान कार्यक्रम में ओमप्रकाश बेवरिया, शिवरतन सिंह, रमेश चन्द्र गुप्ता, आर.एन. यादव, उदयवीर शर्मा, आरके बंसल, रत्नेश कुलश्रेष्ठ, मयंक गर्ग, मीनू यादव, राजेश गुप्ता, रामप्रकाश गुप्ता, विनीत यादव, मधु शुक्ला, मयंक गर्ग, कीर्ति शुक्ला, प्रवेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

शिकोहाबाद के हिंदलेम्पस में कविता पाठ करते हुई कवियत्री।

2025

11 फरवरी 2025 को साहित्य–संगीत–कला को समर्पित संस्था 'शब्दम्' के तत्त्वावधान में वसंत पर्व के उपलक्ष्य में 'वसंत काव्य गोष्ठी' का आयोजन उ.प्र. के शिकोहाबाद स्थित संस्कृति भवन में हुआ। इस काव्य गोष्ठी में आमंत्रित कवियों बदन सिंह 'मस्ताना', अशोक मथुरिया, प्रवीन पाण्डेय एवं सतेन्द्र 'निर्झर' ने अपनी काव्य रचनाओं को प्रस्तुत किया। इस वसंत काव्य संध्या का एक प्रमुख आकर्षण चर्चित कवि और विचारक डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया के काव्य संग्रह ध्रुवांजलि का लोकार्पण भी था। आमंत्रित कवियों एवं 'शब्दम्' सलाहकार समिति ने इस काव्य संग्रह का लोकार्पण किया। संचालन अरविंद तिवारी ने किया।



अमर भारती

ब्रजमण्डल सो लगे सलोनो और न कोउ ठांउ....

काव्य गोष्ठी में कवियों ने कविता के माध्यम से लोगों को गुदगुदाया

अमर भारती संवाददाता

शिकोहाबाद। वसंत पर्व के उपलक्ष्य में शब्दम संस्था द्वारा वसंत काव्य गोष्ठी का आयोजन संस्कृति भवन सभागार में किया गया। काव्य गोष्ठी में कवि बदन सिंह मस्ताना, अशोक मथुरिया, प्रवीन पाण्डेय एवं सतेन्द्र निर्झर ने अपनी काव्य रचनाओं को प्रस्तुत किया।

शिकोहाबाद में कविता पाठ करते हुए कविगण।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। शब्दम् की अध्यक्ष किरण बजाज ने अपने विचारों को रखा। काव्यगोष्ठी में कवि बदन सिंह की कविता बजमण्डल सो लगे सलोनो और न कोउ ठांउ, राधा पियसो जाए इठलावे कागा की हो कांउ। कवि अशोक मथुरिया ने अपने गीत सइवां लेचल मोकूं गांव, शहर में नहीं रह पाउंगी। कवि प्रवीन पाण्डेय के गीत ह्यअपनी शान निराली, अपना वैभव जिंदाबाद, कवि सतेन्द्र निर्झर ने अपनी कविता पावन अनुपम सुखधाम बड़ो नीको लागे पड़ा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रुवेन्द्र भदौरिया ने की। संचालन व्यंग्यकार अरविन्द तिवारी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेश आलोक ने दिया।

इस मौके पर में मंजर उल वासे, डॉ. रजनी यादव, शिवरतन सिंह, आर.एन. यादव, आर. सी. गुप्ता, आर के बंसल, मयंक गर्ग, आलोक अर्श, राजेश गुप्ता, रामप्रकाश गुप्ता, डा सहदेव सिंह चैहान, आनन्द बाबू, कृपाशंकर शर्मा शूल, सुनील यादव, मुकेश गौड़, दर्शना कुमारी, पल्लवी पाण्डेय, नवीन मिश्रा, विनीत बंसल, शरद खरेजा, लक्ष्मीनारायण यादव, गौरांगी, शशीप्रभा यादव आदि मौजूद रहे।



समूह छायांकन


कवि बदन सिंह 'मस्ताना'


गीतकार अशोक मथुरिया


कवि प्रवीन पाण्डेय


कवि सतेन्द्र 'निर्झर'

2022

शब्दम् संस्था प्रतिवर्ष शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन करती है। संस्था का मानना है कि शिक्षक समाज और देश की नीव है। संस्था प्रतिवर्ष अपने विषय के ज्ञानी, समर्पित एवं चरित्रवान शिक्षकों को सम्मान पत्र, सम्मान राशि, वैजयंती माला, नारियल, शॉल व हरित कलश देकर सम्मानित करती है। इसका मुख्य उद्देश्य अन्य शिक्षकों को प्रेरणा देना और श्रेष्ठ शिक्षकों का उत्साह वर्धन करना है। संस्था अभी तक लगभग 45 शिक्षकों को सम्मानित कर चुकी है।

शब्दम् सलाहकार एवं न्यासी मण्डल द्वारा गहन मंथन कर एवं पूरी जानकारी लेकर शिक्षकों का चयन किया जाता है।

2022 शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में निम्नलिखित शिक्षकों का सम्मान किया गया और 'शिक्षण की विभिन्न विधाएँ एवं व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षक की भूमिका' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

डॉ. अखिलेश कुमार – प्राथमिक विद्यालय दिनौली गौरवा में प्रधानाध्यापक हैं। वे कार्य के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं।

उत्तम सिंह 'उत्तम' – प्रहलाद राय टिकमानी सरस्वती इण्टर कॉलेज में वरिष्ठ प्रवक्ता हैं। आप सभी विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ–साथ देशप्रेम से भी जोड़ते हैं।

नारायण हरी सिंह – पुरातन सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में वरिष्ठ प्रवक्ता हैं। आप कर्तव्यनिष्ठ व कार्य के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं।


शब्दम् ने शिक्षकों को किया सम्मानित

अखिलेश कुमार को सम्मानित करती शब्दम संस्था पदाधिकारी • जागरण

संस, शिकोहाबाद: शब्दम् संस्था द्वारा हिंद लैंप्स परिसर स्थित संस्कृति भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करते हुए छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम के दौरान प्रावि दिनौली के शिक्षक अखिलेश कुमार, नारायण हरी सिंह और वैजयंती माला को नारियल, हरित कलश, देकर सम्मानित किया। इसके बाद संस्था अध्यक्ष किरण बजाज द्वारा मुंबई से भेजे संदेश को सुनाया गया। इसके बाद डा. सुबोध दुबे ने लार्ड मैकाले से लेकर नई शिक्षा नीति को समेटते हुए, शिक्षण विधियों को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. महेश आलोक और संचालन दीपक ओहरी और मोहित जादौन ने किया।



सम्मान पत्र के साथ शिक्षकगण

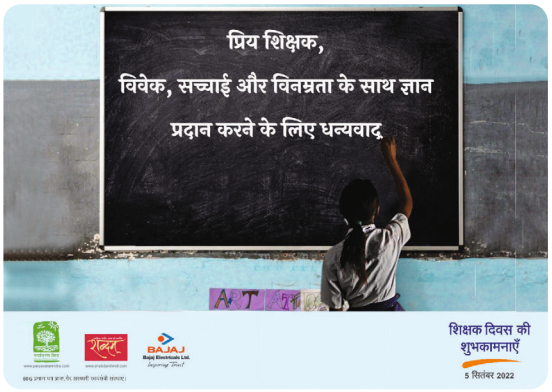

2023

2023 शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में निम्नलिखित शिक्षकों का सम्मान किया गया और 'संस्कृति एवं प्रकृति के संरक्षण में शिक्षक की भूमिका' विषय पर शिक्षकों ने अपने विचार रखे।

अश्वनी कुमार जैन – आप कक्षा 11–12 में रसायन विज्ञान एवं नागरिक शास्त्र का अध्यापन कर रहे हैं जिसमें आप चार्ट, पोस्टर, टी.एल.एम. (टीचिंग लार्निंग मटेरियल) माध्यम से छात्र–छात्राओं को रोचक ढंग से विषयों को पढ़ाते हैं।

मदालसा त्रिपाठी – आप प्राथमिक विद्यालय उरमुरा किरार की शिक्षिका हैं, कार्य के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं।

आशीष यादव – आप झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। आप रॉयल कृष्णा पाठशाला के अध्यक्ष हैं।




सम्मान पत्र के साथ



समूह छायांकन

2024

2024 शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में निम्नलिखित शिक्षकों का सम्मान किया गया और 'सामाजिक उत्तरदायित्व में शिक्षक की भूमिका' विषय पर गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

कृपाशंकर शर्मा 'शूल' – आप यंग स्कॉलर्स एकेडमी में हिन्दी के वरिष्ठ अध्यापक हैं। 92 वर्ष की आयु में भी आप समर्पित भाव से शिक्षण कार्य करते हैं।



सम्मान पत्र के साथ सम्मानित शिक्षकगण

सतीशकुमार यादव 'समर्थ'– आप पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम बिरथुआ ब्लॉक बरनाहल से ससम्मान सेवानिवृत्त हुए हैं। शिक्षक के रूप में, छात्र–छात्राओं के मध्य अनुशासन, पर्यावरण बोध और देशप्रेम संस्कार के बीज ही नहीं डाले वरन् उन्हें पुष्पित और पल्लवित किया।

नरेश सिंह चौहान – आप सूरजपुर रुधैनी ब्लॉक अराँव जिला फिरोजाबाद में कार्यरत हैं। अपने कार्य के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं।


दैनिक भास्कर

शब्दम ने किया शिक्षक सम्मान समारोह

2025

2025 शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में निम्नलिखित शिक्षकों का सम्मान किया गया और 'शिक्षक का वैश्विक महत्त्व' विषय पर गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

श्रीमती समीक्षा – बॉटनी (वनस्पति शास्त्र) विषय से एम.एससी. होने के साथ एम.एड. हैं। आप प्राथमिक विद्यालय अहमदपुरा, नगर क्षेत्र, शाहजहाँपुर में प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। आप प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों का नितांत अभाव होने के कारण नौ वर्ष तक एक प्राथमिक विद्यालय में एक मात्र शिक्षक रहकर सभी दायित्वों का निर्वहन सफलता के साथ पूरे कर रहीं हैं। 2022 में आपने राज्य पुरस्कार और 2025 में विद्यालय को 'निपुण' बनाने के प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

डॉ. सहदेव सिंह चौहान – भौतिकी (Physics) में एम.एससी. और पीएच.डी. हैं। आप जूनियर हाईस्कूल उरमुरा में जनवरी 2011 से प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। आपके प्रयास से 2018 में विद्यालय को हाईस्कूल की मान्यता मिल गई। आपने अनुशासन, पठन–पाठन एवं आवश्यक शिक्षण सामग्री की दृष्टि से विद्यालय को आत्मनिर्भर बनाया है।


सम्मान पत्र के साथ सम्मानित शिक्षकगण


सुराग ब्यूरो

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित "शब्दम्" ने किया 'शिक्षक सम्मान समारोह

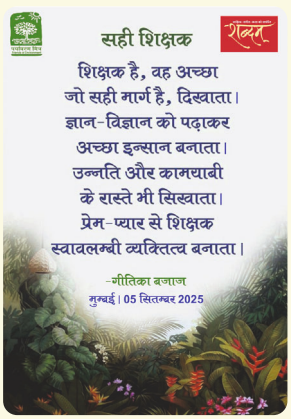


साहित्य-संगीत-कला को समर्पित शब्दम् ने किया 'शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन

2025

14 दिसम्बर 2025 को शब्दम् संस्था ने 97 वर्षीय ग़ज़लकार प्रो. नन्दलाल पाठक का अंधेरी मुंबई में उनके घर पर जाकर किया शिक्षक सम्मान।

प्रो. नंदलाल पाठक – 36 वर्षों (1953–89) तक आपने सोफिया महाविद्यालय मुंबई में हिंदी विभाग के अध्यक्ष पद पर रहते हुए हिन्दी शिक्षण में नए प्रतिमान स्थापित किए हैं।

3 वर्षों (2019–22) तक आपने महाराष्ट्र प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में हिन्दी साहित्य के उत्कर्ष हेतु कार्य किया है।

विगत 25 वर्षों से महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष पद पर रहते हुए, हिन्दी साहित्य के संवर्धन हेतु आपके प्रयास अनुपम रहे हैं।

आपने अपने रचनात्मक अवदान से हिंदी ग़ज़ल को एक नई दिशा दी है। आपके प्रकाशित समस्त ग़ज़ल संग्रह दुष्यन्त की परंपरा को समृद्ध करते हैं। आपकी कई विधाओं में प्रकाशित पुस्तकें साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं।



दैनिक भास्कर

शब्दम संस्था ने गजलकार को किया शिक्षक सम्मान से सम्मानित

भास्कर ब्यूरो, शिकोहाबाद। शब्दम संस्था ने हिंदी को ऊंचाइयों पर ले जाने वाले प्रसिद्ध गजलकार प्रो नंदलाल पाठक को शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया। प्रोफेसर सोफिया महाविद्यालय मुंबई में हिंदी विभाग के अध्यक्ष पद पर रहते हुए हिन्दी शिक्षण में नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। प्रोफेसर ने महाराष्ट्र प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में हिन्दी साहित्य के उत्कर्ष हेतु कार्य किया है।हिंदी भाषा के विकास के दौरान प्रोफेसर ने धूप की छाँव, जहाँ पतझर नही होता, फिर हरी होगी धरा को लिखकर श्रोताओं के मन में जगह बनाई। हिंदी में अमूल्य योगदान को लेकर शब्दम् अध्यक्ष किरण बजाज ने प्रोफेसर का सम्मानित करते हुए बैजयंती माला, शॉल, नारियल, सम्मान राशि व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उद्योगपति शेखर बजाज, गीतिका बजाज, अतुल पाठक, अनीता पाठक, कुसुम पाठक, अर्चना, सुदीप्ता व्यास, आशा जोशी, प्रतीक, दीपक औहरी, प्रीती उपस्थित रहे।



प्रो. नन्दलाल पाठक



प्रो. नन्दलाल पाठक और शब्दम् अध्यक्ष किरण बजाज

आपके प्रकाशित हिन्दी ग़ज़ल और गीत संग्रह 'धूप की छाँव', 'जहाँ पतझर नहीं होता', 'फिर हरी होगी धरा', 'ग़ज़लों ने लिखा मुझको' और 'यह हिंदी ग़ज़ल है' ने श्रोताओं – पाठकों – साहित्यकारों – आलोचकों को समान रूप से प्रभावित और आनन्दित किया।

आप प्रख्यात हिंदी टीवी सीरियल 'महाभारत', 'मैं दिल्ली हूँ', 'माँ शक्ति, 'विष्णु पुराण' आदि टीवी शृंखलाओं के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक सलाहकार रहे हैं।

आपकी पुस्तक 'भगवद्गीता – आधुनिक दृष्टि' महत्त्वपूर्ण, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक ग्रन्थ है।

2024

15 जुलाई 2024 को 'दिगम्बर विद्रोहिणी अक्क महादेवी' पुस्तक चर्चा एवं कवि से संवाद कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति भवन सभागार शिकोहाबाद (उ.प्र.) में आयोजित किया गया।

इस आयोजन में देश के प्रसिद्ध कवि और पत्रकार सुभाष राय ने पुस्तक चर्चा में अपनी पुस्तक 'दिगम्बर विद्रोहिणी अक्क महादेवी' पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि अक्क महादेवी के वचनों का मुख्य आध्यात्मिक संदेश देह से अदेह हो जाना है। वह कल्याण नामक जिस स्थान पर रहीं वहाँ की सबसे बड़ी विशेषता ईश्वर को लेकर आपसी संवाद का होना है।

इस अवसर पर बी.डी.एम. महाविद्यालय की छात्रा पूजा शर्मा ने शिव स्तुति की प्रस्तुति दी।



अक्क महादेवी पुस्तक चर्चा एवं कवि से संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ

(माधव संदेश) शिकोहाबाद (अब्दुल सत्तार)। मंगलवार को साहित्य,संगीत एवं कला को समर्पित संस्था शब्दम् द्वारा दिगम्बर विद्रोहिणी अक्क महादेवी पुस्तक चर्चा एवं कवि से संवाद कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति भवन सभागार में आयोजित किया गया। इसमें अक्क महादेवी के वचनों के आध्यात्मिक संदेश देह से अदेह हो जाना है। इस पर चर्चा की गई। आयोजन में देश के प्रसिद्ध कवि और पत्रकार सुभाष राय ने पुस्तक चर्चा में अपनी पुस्तक दिगंबर विद्रोहिणी अक्क महादेवी पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि अक्क महादेवी के वचनों का मुख्य आध्यात्मिक संदेश देह से अदेह हो जाना है। जिस कल्याण में वह रहीं, वहां की सबसे बड़ी विशेषता संवाद है। शब्दम् की अध्यक्षा किरण बजाज ने अपने संदेश में कहा महादेवी के वचन उन सभी स्त्रियों के हक की आवाज हैं, जो सदियों से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रसिद्ध व्यंग्यकार अरविंद तिवारी ने पुस्तक चर्चा में वैचारिक हस्तक्षेप करते हुए कहा,अक्क महादेवी ने अपने अल्प जीवन काल में अपने वचनों से पूरे मध्यकालीन साहित्य को प्रभावित किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध व्यंग्यकार अरविंद तिवारी के गीत संग्रह महुए की गंध है, का लोकार्पण नगर पालिका के चेयर पर्सन राजीव गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम में शब्दम् सलाहकार समिति की वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर रजनी यादव ने संस्था का परिचय दिया। बीडीएम महाविद्यालय की छात्रा पूजा शर्मा ने शिव स्तुति प्रस्तुत की।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन शब्दम् सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य मंजर उलवासे ने किया। कार्यक्रम में नारायण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.बीके सिंह,बीडीएम महाविद्यालय की प्राचार्या गीता यादुवेन्दु राजीव गुप्ता,मदालसा त्रिपाठी सहित अनेक साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।



अक्क महादेवी का संदेश देह से अदेह होना है: सुभाष राय

■ महादेवी के वचन अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही स्त्रियों के हक की आवाज हैं - बजाज

शिकोहाबाद (सच कहूं न्यूज)। साहित्य, संगीत, कला को समर्पित संस्था शब्दम ने संस्कृति भवन सभागार में मंगलवार को दिगम्बर विद्रोहिणी अक्क महादेवी पुस्तक चर्चा एवं कवि से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रसिद्ध कवि और पत्रकार सुभाष राय ने पुस्तक चर्चा में अपनी पुस्तक दिगंबर विद्रोहिणी अक्क महादेवी पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि अक्क महादेवी के वचनों का मुख्य आध्यात्मिक संदेश देह से अदेह हो जाना है। जिस कल्याण में वह रहीं वहां की सबसे बड़ी विशेषता संवाद है। शब्दम की अध्यक्षा किरण बजाज ने अपने संदेश में कहा कि महादेवी के वचन उन सभी स्त्रियों के हक की आवाज हैं जो सदियों से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हैं। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष और देश के प्रसिद्ध व्यंग्यकार अरविंद तिवारी में पुस्तक चर्चा में वैचारिक हस्तक्षेप करते हुए कहा कि अक्क महादेवी ने अपने अल्प जीवन काल में अपने वचनों से पूरे मध्यकालीन साहित्य को प्रभावित किया फिर चाहे वह किसी भी भाषा का साहित्य हो।

प्रसिद्ध हिंदी कवि डा महेश आलोक ने कहा कि नारी संघर्ष का नया घोषणा पत्र सुभाष राय की यह पुस्तक है। प्रसिद्ध व्यंग्यकार अरविंद तिवारी के गीत संग्रह महुए की गंध है का लोकार्पण नगर पालिका अध्यक्ष के पति राजीव गुप्ता ने किया। इस मौके पर शब्दम सलाहकार समिति की वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर रजनी यादव, नारायण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.के. सिंह, राजीव गुप्ता, बीडीएम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता यादुवेन्द, राजीव गुप्ता, दिनेश बैजल राज, आलोक भदौरिया अर्श, योगाचार्य अभय आर्य, शिवरतन सिंह, कृपाशंकर शुल मौजूद रहे।



समूह छायांकन

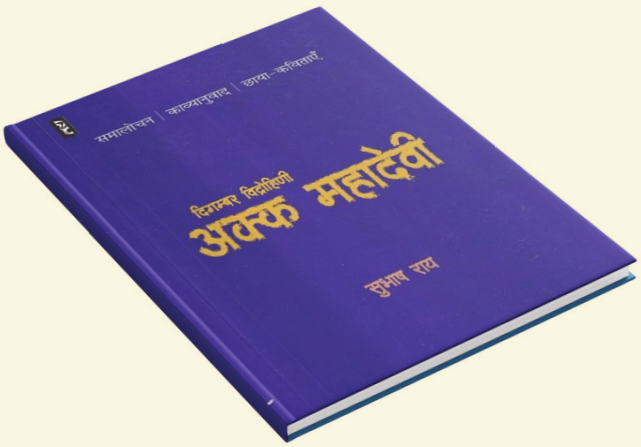

पुस्तक अक्क महादेवी



प्रसिद्ध कवि और पत्रकार सुभाष राय

2022

शब्दम् संस्था प्रतिवर्ष विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य हिन्दी सम्मान समारोह मनाती है। हिन्दी विषय में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले कक्षा 10 एवं कक्षा 12 के प्रत्येक विद्यार्थी को संस्कृति भवन में बुलाकर, उनका सम्मान करती है। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रमाण पत्र, हिन्दी शब्दकोश, साहित्यिक पुस्तक एवं पेन देकर उनका अभिनंदन करती है। अभी तक हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्था लगभग 1500 विद्यार्थियों का सम्मान कर चुकी है।

इस समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के मन में हिन्दी के प्रति अनुराग, गौरव, सम्मान और हिन्दी के माध्यम से विभिन्न विषयों के अध्ययन की ललक पैदा करना है।



17 नवम्बर 2022 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) संस्कृति भवन सभागार में 'शब्दम्' ने अपने 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर हिन्दी विषय में 85 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले, हाईस्कूल व इन्टरमीडिएट के 17 विद्यालयों के 327 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर 'हिन्दी भाषा एवं रोजगार के अवसर' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।





शब्दम संस्था ने स्थापना दिवस पर 400 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

स्थापना दिवस पर मेधावियों को सम्मानित करते संस्था के पदाधिकारी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

शिकोहाबाद। शब्दम संस्था ने अपने 18 वें स्थापना दिवस पर 400 से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया। 'हिन्दी भाषा एवं रोजगार के अवसर' विषय पर परिचर्चा का आयोजन हुआ। जिसमें व्योमकार अरविंद तिवारी, हिन्दी विभागाध्यक्ष व पूर्व प्राचार्य डॉ. चन्द्रवीर जैन, मंजर उलवासै एवं नारायण महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. महेश आलोक ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रजनी यादव ने की। अध्यक्ष किरण बजाज ने मुंबई से अपनी एक कविता भेजी, जिसे अरविन्द तिवारी ने पढ़कर सुनाया। संचालन दीपक औहरी व मोहित जादौन ने किया। दूसरे चरण में छात्र-छात्राओं को हिन्दी विषय में अधिकतम अंक पाने के लिए 19 विद्यालयों के 60 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. धुरेन्द्र भदौरिया और संचालन अरविन्द तिवारी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. डीपी. सिंह, आरसी. गुप्ता, डॉ. टीएन यादव, राकेश यादव, सुनील सिंह, अनिल कुमार पालीवाल, डॉ. अशोक कुमार, दीपक औहरी , कृपाशंकर शर्मा शूल, प्रज्ञा, सौरभ, संजीव यादव उपस्थित रहे।

2023

15 सितम्बर 2023 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के हिन्दी विषय में 90 या 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले जनपद फिरोजाबाद के 30 विद्यालयों के 210 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, साथ ही इस अवसर पर 'राष्ट्रीय एकता में हिन्दी भाषा का योगदान' विषय पर गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।





सम्मान प्राप्त करने के बाद मेधावी छात्र-छात्राएं। संस्था

210 मेधावियों का किया सम्मान

शिकोहाबाद। हिंदी दिवस के अवसर पर शब्दम संस्था ने मेधावियों को पुरस्कृत किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय एकता में हिंदी भाषा के योगदान विषय पर गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

संस्था द्वारा शुक्रवार को हाइस्कूल एवं इंटरमीडिएट के हिंदी विषय में 90 से अधिक अंक लाने वाले 30 विद्यालयों के 210 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता अरविंद तिवारी ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धर्मेंद्र भदौरिया ने कविताएं सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक ओहरी ने किया। इस अवसर पर डॉ. महेश आलोक, मंजर उलवासै, डॉ. चंद्रवीर जैन, गीतिका बजाज, अश्वनी जैन, अलका अग्रवाल, दीप्ती सक्सेना, मेघा सक्सेना, आशीष यादव आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शब्दम् ने किया हिंदी के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, दिए पुरस्कार

संवाद सहयोगी, शिकोहाबाद: शब्दम् संस्था द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के हिंदी विषय में 90 या 90 से अधिक अंक लाने वाले 30 विद्यालयों के 210 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर 'राष्ट्रीय एकता में हिंदी भाषा का योगदान' विषय पर गोष्ठी भी की गई। संस्था की अध्यक्ष किरण बजाज ने हिंदी की सराहना करते हुए कहा कि हिंदी में ही प्रगति है। सभी लोग अपने सपनों को हिंदी में ही खोजें। मुख्य वक्ता अरविंद तिवारी ने कहा कि हमें हिंदी भाषा को इतना सरल बनाना है कि पूरे देशवासी उस भाषा को अपना सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा. रुवेन्द्र भदौरिया ने कविता सुनाते हुए कहा कि, खुसरो ने तुमको चमकाया और जायसी ने अपनाया, रहीम और रसखान ने तुझको आदर देकर शीष झुकाया, फिर भी तू है एक वर्ग की, सुनकर हुई हताशा। हिंदी, भारत मां की आशा हिंदी।


मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते शब्दम के पदाधिकारी • जागरण

कार्यक्रम के दौरान कई विद्यार्थियों ने भी 'राष्ट्रीय एकता में हिंदी भाषा का योगदान' विषय पर विचार प्रस्तुत किए। डा. महेश आलोक ने शब्दम् का परिचय दिया। मंजर उलवासै ने छात्रों को हिंदी शब्दकोष देखने के तरीके के बारे में जानकारी दी। संचालन दीपक औहरी ने किया।

इस अवसर पर अश्वनी जैन, अलका अग्रवाल, दीप्ती सक्सेना, मेघा सक्सेना, आशीष यादव, प्रीती औहरी, मोहित जादौन, विवेक शुक्ला, भूपेन्द्र सिंह, राजीव प्रताप, राहुल शर्मा, अंजयपाल, शिवम सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

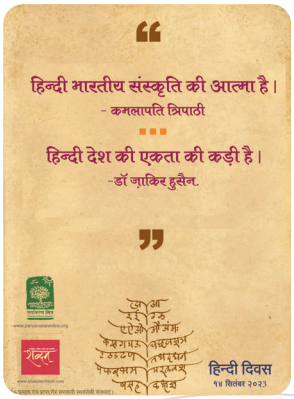

2024

23 सितंबर 2024 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृति भवन सभागार शिकोहाबाद (उ.प्र.) में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट हिन्दी विषय में नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 205 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, साथ ही इस अवसर पर 'हिन्दी प्रेम और एकता की भाषा' विषय पर गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।



समूह छायांकन




शब्दम संस्था ने 90 प्रतिशत अंक लाने वाले 205 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

देश की विडम्बना है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का नहीं मिला दर्जा: तिवारी

2025

12 सितंबर 2025 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृति भवन सभागार शिकोहाबाद (उ.प्र.) में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट हिन्दी विषय में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 137 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, साथ ही इस अवसर पर 'हिंदी ही क्यों?' विषय पर विद्यार्थियों में वाद–विवाद संवाद का आयोजन भी किया गया।






सुराग ब्यूरो

13-09-2025, एटा, अलीगढ़ आगरा, फिरोजाबाद, कानपुर

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में शब्दम् संस्था ने हिन्दी विषय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में शब्दम् संस्था ने -छात्राओं को सम्मानित किया।

शिकोहाबाद। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में शब्दम् संस्था ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिन्दी विषय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। 12 सितंबर को बजाज इले. शिकोहाबाद के संस्कृति भवन में बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले कक्षा दस और कक्षा बारह के 135 छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया।इस अवसर पर 'हिंदी ही क्यों' विषय पर वाद-विवाद कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्यारह शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में शब्दम् की अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज का ऑडियो संदेश सुनाया गया, जिसमें उन्होंने छात्र-छात्राओं से हिंदी को समृद्ध करने की अपील की।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात व्यंग्यकार और शब्दम् सलाहकार समिति के सदस्य अरविन्द तिवारी ने की। संचालन शब्दम् समन्वयक दीपक औहरी ने किया। शब्दम् संस्था से मोहित जादौन, राजीव प्रताप सिंह, भूपेन्द्र सिंह,प्रीती औहरी, अजयपाल सिंह, जितेन्द्र बघेल भी उपस्थित रहे।



2024

प्रश्नमंच का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा व साहित्य के प्रति सम्मान और जिज्ञासा पैदा करना है। विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा के शब्दों के उच्चारण, शुद्धता एवं शब्दकोश के प्रति जागरूकता तथा विद्यालयों – महाविद्यालयों में हिन्दी के वृहद ज्ञान के प्रति उत्सुकता पैदा करना, जिससे हिन्दी पुस्तकें पढ़ने की रुचि बढ़े। हिन्दी प्रश्नमंच कार्यक्रम जनपद फिरोजाबाद (उ.प्र.) के कुल 200 से अधिक विद्यालयों के 66400 विद्यार्थियों के मध्य आयोजित किए जा चुके हैं। ये कार्यक्रम प्रश्नमंच उपसमिति के अध्यक्ष मंज़र–उल वासै और सदस्य डॉ. चन्द्रवीर जैन द्वारा आयोजित किए गए। सम्बन्धित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए छात्र/छात्राओं के लिए व्यवहारिक रूप से लाभकारी बताया।

2022, 2023, 2024 एवं 2025 में प्रश्नमंच आयोजित होने वाले विद्यालयों के नाम।



लॉर्ड कृष्णा किड्स एकेडमी, शिकोहाबाद



भविष्य ज्योति पब्लिक स्कूल, सारक, सिरसागंज



एस.आर.एस. मैमोरियल पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद



राजकान्वेंट पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद



पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, मदनपुर, सिरसागंज



श्री महावीर बघेल इंटर कॉलेज, हाथवंत



पुरातन सरस्वती विद्या मंदिर, शिकोहाबाद



पी.एस.ग्लोबल एकेडमी, मदनपुर



ज्ञानदीप सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, शिकोहाबाद



सरस्वती विद्या मंदिर, केशवपुरम, शिकोहाबाद



इन्दिरा मैमोरियल सीनि. सेके. स्कूल, सिरसागंज



डंडियामई इंटर कॉलेज, डंडियामई



ब्राइट राइडर्स पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद



विश्व भारती इंटरनेशनल स्कूल, शिकोहाबाद



नारायण इंटर कॉलेज, शिकोहाबाद



हिन्दी प्रश्नमंच में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

प्रतियोगिता

200 से अधिक ने लिया भाग

शिकोहाबाद, हिन्दुस्तान संवाद। शब्दम् संस्था द्वारा संचालित हिन्दी प्रश्नमंच कार्यक्रम का आयोजन राज कान्वेंट इण्टर कॉलेज में किया। इसमें छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कक्षा नौ से लेकर इण्टर तक के दो सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शब्दम् द्वारा संचालित हिन्द प्रश्नमंच कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी के प्रति रुचि पैदा करना एवं दैनिक बोलचाल में प्रयोग आने वाले हिन्दी वर्तनी में ज्ञानवर्धन करना है। संचालन मंजर उलवासी ने किया। अध्यक्षता लक्ष्मीनारायण यादव ने की।

हिंदी प्रश्नमंच में 10 विद्यार्थियों ने प्रश्नों के सही उत्तर देकर पुरस्कार प्राप्त किया। संस्था द्वारा विद्यालय परिवार को हिन्दी प्रश्नमंच आयोजन के लिए प्रशस्ति पत्र भी दिया। अंत में प्रधानाचार्य राजकिशोर यादव ने कहा कि छात्रों के ज्ञान के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए। जिससे छात्रों में राष्ट्रभाषा का ज्ञान हो सके। विद्यालय प्रबन्धक राजवीर सिंह ने आभार प्रकट किया।

शिकोहाबाद में शब्दम् संस्था द्वारा संचालित हिन्दी प्रश्नमंच कार्यक्रम में विजयी छात्रों को पुरस्कृत करते हुए। • हिन्दुस्तान

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृति भवन सभागार में प्रश्नमंच का आयोजन हुआ जिसमें निम्न विद्यालयों के 10–10 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- संत जनू बाबा स्मारक इण्टर कॉलेज, शिकोहाबाद।
- सेंट जे.बी. ग्लोबल एकेडमी, शिकोहाबाद।
- ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद।
- मधु माहेश्वरी इण्टर कॉलेज, शिकोहाबाद।
- डी.पी. पब्लिक स्कूल, माधौगंज।
- पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, मदनपुर, सिरसागंज।
- यंग स्कालर्स एकेडमी, शिकोहाबाद।
- राज कान्वेंट पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद।
- दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल, शिकोहाबाद।
- लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद।

छात्र छात्राओं ने प्रश्नमंच कार्यक्रम में दिखाई प्रतिभा



शिकोहाबाद(सच कहूँ न्यूज)। संस्था शब्दम ने गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 10 विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को प्रश्नमंच कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रश्नमचं के नियम से कार्यक्रम अध्यक्ष मंजर उल-वासे ने अवगत कराया। सभी विद्यार्थियों से मनोज कुलश्रेष्ठ, पुष्पकर तिवारी, डॉ. समीर विश्वास व दीपक औहरी ने प्रश्न पूछे। विद्यार्थियों ने अधिकांश प्रश्नों का उत्तर दिया। कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की परीक्षा लेना नहीं वरन उनके मन में देश प्रेम की भावना जागृत करना है। इस मौके पर भूपेन्द्र सिंह, राजीव के अलावा शिक्षकों में संत जनू बाबा स्मारक इण्टर कॉलेज से उत्तम सिंह उत्तम, सेट जेबी ग्लोबल एकेडमी से आकांक्षा, ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल से क्षमा मिश्रा, मधु माहेश्वरी इण्टर कॉलेज से सुमन मिश्रा, पी.एस. ग्लोबल एकेडमी से योगेन्द्र सिंह, डीपी पब्लिक स्कूल माधौगंज से रीता यादव, यंग स्कालर्स एकेडमी से श्रद्धा सिंह, राज कान्वेंट इण्टर कॉलेज से सुमित कुमार सिंह, दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल से पवन तिवारी, लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल से हिमांशू एवं शिखा मौजूद रहे।

दैनिक जागरण
inext
Everyday, a new Beginning

देशप्रेम विषय पर प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित



SHIKOHABAD: शब्द संस्था ने डडियामई इंटर कॉलेज, पीएस ग्लोबल एकेडमी और इंदिरा मैमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में देशप्रेम आधारित प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की. 550 छात्रों में से 10 को सम्मानित किया गया. वरिष्ठ सदस्य मंजर उलवासे ने देशप्रेम की भावना जागृत करने का उद्देश्य बताया.



प्रश्नमंच समिति





समूह छायांकन

2023

शरद पूर्णिमा – 'पधारी चाँदनी है तुम कहाँ हो'

28 अक्टूबर 2023 को शब्दम् एवं ईसन फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में शरद पूर्णिमा उत्सव 'पधारी चाँदनी है तुम कहाँ हो' का आयोजन मैनपुरी (उ.प्र.) में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि – डॉ. दीन मोहम्मद दीन एवं विशिष्ट अतिथि पं. श्रीकृष्ण मिश्र तथा डॉ. महेश द्विवेदी रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. सुबोध दुबे ने किया।

इस आयोजन में शब्दम् अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज ने अपने संदेश के माध्यम से मैनपुरी के सुधीजनों का अभिनन्दन किया और वक्ताओं एवं कवियों के प्रति आभार प्रकट किया।

इसके बाद श्रीमती वरखा चौहान ने चन्द्रमा के खगोलीय एवं



अध्यक्षीय वक्तव्य देते श्रीकृष्ण मिश्र (अध्यक्ष सरस्वती साधना परिषद)


संचालन करते डॉ. सुबोध दुबे

वैज्ञानिक पक्ष को प्रस्तुत किया। रघुनंदन लाल पाठक ने राम और पूर्णमासी के चन्द्रमा के प्रभाव के बारे में बताया। डॉ. महेश द्विवेदी ने रासलीला के पूर्णमासी चन्द्रमा पर प्रकाश डाला। पं. श्रीकृष्ण ने टेसू झेंझी पर शोधपरक लेख पढ़कर इनकी लोक परम्परा पर प्रकाश ड़ाला। डॉ. महेश द्विवेदी ने रासलीला की पूर्णिमा का गूण अर्थ प्रस्तुत किया।

सुकवि बलबीर सिंह ''रंग की ग़ज़ल' पधारी चाँदनी है तुम कहा हो'' का सस्वर पाठ देवांशी माहेश्वरी ने किया। सतेन्द्र पाठक ने सुनाया 'तेरी यादों में कई रात अमावस काटीं। शरद की पूर्णिमा है तुम कहां हो।' देवांशी माहेश्वरी ने श्रृंगार में 'यादों में खोकर तुम्हारी नजरों को बिछाए बैठी में दीदार को तुम्हारी...' गायन से श्रोताओं को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य कवियों ने भी काव्यपाठ किया।

विनोद माहेश्वरी ने समस्त उपस्थित कवियों व श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

2024

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर, साहित्य–संगीत–कला को समर्पित 'शब्दम्' की हेमंती प्रस्तुति 'कतकी पूनो' का ईसन फाउंडेशन द्वारा मैनपुरी (उ.प्र.) में 15 नवम्बर 2024 दिन शुक्रवार को आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता पं श्रीकृष्ण मिश्र ने की। मुख्य अतिथि डॉ. राम बदन पाण्डेय, प्राचार्य, एकरसानंद संस्कृत महाविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. अलका पाठक, कुँवर आर. सी. महाविद्यालय थीं । आयोजन का संयोजन, संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुबोध दुबे, संस्थापक अध्यक्ष 'ईसन फाउंडेशन' ने किया।



काव्य पाठ करतीं श्रीमती देवांशी माहेश्वरी

शब्दम् अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज का हेमंती सन्देश, विनोद माहेश्वरी ने पढ़ा। उसके बाद कवि अज्ञेय जी की कविता 'कतिकी पूनो' का सस्वर पाठ देवांशी माहेश्वरी ने किया। पूर्णिमाओं की पूर्णिमा 'कार्तिक पूर्णिमा' के अतिरिक्त वर्ष पर्यन्त पड़ने वाली अन्य पूर्णिमाओं का जैसे बैशाख, आषाढ़, शरद आदि का विद्वतापूर्ण वर्णन डॉ. अलका पाठक ने किया।

प्राचार्य डॉ. राम बदन पाण्डेय ने पुराण, साहित्य एवं लोक मानस से जुड़े कार्तिक पूर्णिमा के सन्दर्भों की विशद और रुचिकर व्याख्या की।

कवि सतेन्द्र पाठक 'निड़र' ने गाया 'चारु आनन है, लाल कपोल, नेह की देता साकल खोल, कतकी पूनों का चाँद, कतनी का चाँद।

श्रीमती उर्मिला ने कहा 'चन्द्रमा की चाँदनी भी आज उत्साह में है, प्रेमियों के मन में छा रहा उछाह है।

कवि यश कुमार मिश्र ने गाया 'चांद ने यौवन संवारा, चाँदनी मुस्कुराई, संग रहूंगी झूमने को, मत कहना मुझे पराई।

अन्य उपस्थित सभी कवियों ने अपनी–अपनी काव्य प्रस्तुति से कतकी पूनों को साकार कर दिया।

2024

स्वतंत्रता दिवस – देशप्रेम पर आधारित नाटक/नृत्य नाटिका प्रतियोगिता

13 अगस्त 2024 को संस्था द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशप्रेम पर आधारित नाटक एवं नृत्य नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन शब्दम् संस्कृति भवन शिकोहाबाद (उ.प्र.) में हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना का विकास करना था।

कार्यक्रम में शिकोहाबाद के यंग स्कालर्स एकेडमी दिल्ली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, राजकान्वेंट पब्लिक स्कूल, पी.एस. ग्लोबल एकेडमी एवं ज्ञानदीप सीनि. सेके. स्कूल ने भाग लिया। सभी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियाँ एक से बढ़कर एक थीं।

कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार ज्ञानदीप सीनि. सेके., द्वितीय पुरस्कार यंग स्कालर्स एकेडमी एंव तृतीय पुरस्कार राज कान्वेंट पब्लिक स्कूल ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित लगभग 100 लोग उपस्थित रहे।



नाटक व नृत्य नाटिका में ज्ञानदीप स्कूल रहा अव्वल

■ यंग स्कालर्स द्वितीय व राजकान्वेंट को मिला तृतीय स्थान

फिरोजाबाद (सच कहूँ न्यूज)। शब्दम संस्था ने बुधवार को नाटक एवं नृत्य नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शब्दम के अध्यक्ष किरण बजाज ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नाटक का उद्देश्य मनोरंजन के साथ साथ शिक्षा देना तथा सदुणों के साथ व्यक्तित्व विकास भी होता है।

गांधी ने अपनी जीवनी में लिखा है कि हरिश्चंद्र का पहला नाटक था, जिसे देखकर वह बहुत प्रभावित हुए थे। इस अवसर पर शब्दम अध्यक्ष की कविता जिस देश के हो तुम सही नागरिक पढ़कर सुनायी गई। कार्यक्रम में यंग स्कॉलर्स, दिल्ली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, राजकान्वेंट पब्लिक स्कूल, पी.एस. ग्लोबल एकेडमी एवं ज्ञानदीप स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर छात्रों ने देश भक्ति गीत, नाटक के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। विद्यालयों की प्रस्तुतियों को देखकर निर्णायक मंण्डल मंजर उलवासै, अरविन्द तिवारी एवं डॉ. महेश आलोक ने ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी को प्रथम , यंग स्कालर्स को द्वितीय एंव राज कान्वेंट को तृतीय पुरस्कार दिया।



चित्र : पर्यावरण मित्र की गतिविधियाँ, शिकोहाबाद।



समूह छायांकन

हरिशंकर परसाई के व्यंग्य लेखन

साहित्यिक कार्यक्रम

2023

'हरिशंकर परसाई के व्यंग्य लेखन में सामाजिक चेतना' विषय पर विमर्श

23 जुलाई 2023 को 'हरिशंकर परसाई के व्यंग्य लेखन में सामाजिक चेतना' विषय पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन शब्दम् संस्कृति भवन, शिकोहाबाद, (उ.प्र.) में किया गया।

हरिशंकर परसाई की जन्मशती कार्यक्रम में व्यंग्यकार और 'व्यंग्य यात्रा' पत्रिका के संपादक प्रेम जनमेजय ने कहा 'व्यंग्यकार का काम समाज के फोड़े ठीक करना है। प्रख्यात और अनूठे व्यग्यंकार परसाई ने अपने सामाजिक व्यंग्य लेखन के जरिए यह काम बखूबी किया है। परसाई समाज को सुधारने से ज्यादा उसे बदलने की मुहिम में लगे थे। परसाई के निशाने पर हमेशा सत्ताएं रही हैं, फिर भी उन्हें पद्मश्री सहित अनेक सम्मान मिले, क्योंकि उनका लेखन समाज के लिए बेहद मूल्यवान और मौलिक था।'



समूह छायांकन



दैनिक जागरण आगरा,25 जुलाई, 2023

समाज के फोड़े ठीक करते हैं व्यंग्यकार: जनमेजय

कार्यक्रम में प्रख्यात व्यंग्यकार और व्यंग्य यात्रा पत्रिका के संपादक प्रेम जनमेजय का स्वागत करते शब्दम के पदाधिकारी - जागरण

संवाद सहयोगी, शिकोहाबाद : बजाज इलेक्ट्रिकल्स के संस्कृति भवन में शब्दम् द्वारा हरिशंकर परसाई का जन्मशती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें व्यंग्यकारों की व्यक्तित्व एवं रचनाओं का महत्व बताया। व्यंग्य यात्रा पत्रिका के संपादक प्रेम जनमेजय ने कहा व्यंग्यकार का काम समाज के फोड़े ठीक करना है। परसाई ने अपने सामाजिक व्यंग्य लेखन के जरिए यह काम बखूबी किया है। वह समाज को सुधारने से ज्यादा उसे बदलने की मुहिम में लगे थे। उनके निशाने पर हमेशा सत्ताएं रही हैं, फिर भी उन्हें पद्मश्री सहित अनेक सम्मान मिले। शब्दम की अध्यक्ष किरण बजाज ने अपने संदेश में कहा कि परसाई का व्यंग्य लेखन सबसे अलग है, क्योंकि उसमें करुणा है। इस अवसर पर शब्दम् सलाहकार समिति के सदस्य और व्यंग्यकार अरविंद तिवारी के नए व्यंग्य संग्रह लोकतंत्र से टपकता हुआ लोक का विमोचन किया गया। एके डिग्री कालेज के प्राचार्य डा. मोहकम सिंह, डा. चंद्रवीर जैन, मंजर उलवासे, नारायण डिग्री कालेज हिंदी विभाग की डा. अनुपमा चतुर्वेदी, टीएन सिंह, ओमप्रकाश बेबरिया, नवीन मिश्रा, ज्ञानेंद्र जैन, कृष्ण कुमार कनक, लक्ष्मीनारायण यादव आदि उपस्थित रहे।

एकल बुंदेली काव्यपाठ

साहित्यिक कार्यक्रम

2025

22 मई 2025 को शब्दम् संस्कृति भवन शिकोहाबाद (उ.प्र.) में बुंदेली भाषा में एकल काव्य का आयोजन किया गया। आमंत्रित बुंदेली कवि महेश कटारे 'सुगम' ने काव्यपाठ में बुंदेली मुक्तक और बुंदेली ग़ज़लों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महेश कटारे 'सुगम' की पक्तियों पर खूब दाद मिली। ग़ज़ल में उनके रदीफ प्रयोग लोगों को पसंद आये। ''पानी जित्तो गहरौ हुई है उत्तोई ठहरौ ठहरौ हुई है'', ''पथरा मारे खून न निकले का मतलब, जी पै हंसौ न ऊखौ अखरे का मतलब'', ''पथरा दिल में प्यार कछू तो गड़बड़ है, जालिम करै जुहार कछू तो गड़बड़ है''।



स्थान - संस्कृति भ

काव्य पाठ करते महेश कटारे 'सुगम'



काव्यपाठ का आनंद लेते श्रोतागण



पथरा दिल में प्यार कछू तो गड़बड़ है...

बुंदेली एकल काव्य पाठ का आयोजन

कवि महेश कटारे सुगम का स्वागत

हिंद तैप परिसर के संस्कृति भवन में गुरुवार को बुंदेली काव्य पाठ करते कवि महेश कटारे। (बाएं से दूसरे), साथ में उपस्थित कवि महेश आलोक। (दाएं से दूसरे) - जागरण

2023

शब्दम् संस्था प्रतिवर्ष स्थापना दिवस के अवसर पर हिन्दी सेवी सम्मान, संस्कृति सेवी सम्मान, साहित्य सेवी सम्मान कार्यक्रमों का आयोजन करती है। अभी तक कुल 14 सस्कृति–हिन्दी–साहित्य सेवियों का सम्मान स्थापना दिवस पर किया जा चुका है।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य, विद्यार्थियों एवं सुधिजनों का समकालीन हिन्दी कविता, संस्कृति एवं ब्रज साहित्य के प्रति जुड़ाव पैदा करना एवं श्रेष्ठ साहित्यकारों को सम्मानित कर, उनको गौरवान्वित करना है।

17 नवम्बर 2023 को शब्दम् के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद स्थित संस्कृति भवन में हिन्दी के चर्चित वरिष्ठ कवि मदन कश्यप को 'शब्दम् हिन्दी सेवी सम्मान' से सम्मानित किया गया, जिसमें मदन कश्यप ने कहा कि 'हिन्दी कविता का मुख्य स्वर प्रतिरोध है। समाज, राजनीति, धर्म कोई भी क्षेत्र हो, हर जगह पाखंड साम्राज्य है। ऐसे में कविता ही है जो सच के साथ निर्भीकता से खड़ी है।'

शब्दम संस्था ने मनाया 19 वां स्थापना दिवस

शिकोहाबाद। शब्दम के 19 वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर शब्दम हिंदी सेवी सम्मान हिंदी के वरिष्ठ कवि मदन कश्यप को प्रदान किया गया। काव्य गोष्ठी का भी



आयोजन किया गया। जयपुर से आए भूपेन्द्र भरतपुरी, अलीगढ़ के नरेंद्र शर्मा 'नरेंद्र' ने ब्रजभाषा में कविताएं पढ़कर समां बांध दिया। शब्दम अध्यक्ष किरण बजाज, मदन कश्यप ने विचार रखे। संचालन डॉ. धवेन्द भदौरिया तथा अध्यक्षता डॉ. चंद्रवीर जैन ने की। संवाद



'शब्दम् हिन्दी सेवी सम्मान' के साथ ही ब्रजभाषा काव्यगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें जयपुर से आये भूपेन्द्र 'भरतपुरी', अलीगढ़ से आये नरेन्द्र शर्मा 'नरेंद्र' ने काव्यपाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. चन्द्रवीर जैन ने मदन कश्यप एवं तीनों कवियों का आभार व्यक्त किया।

2024

शब्दम् 20वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर हिन्दी साहित्य सेवी सम्मान एवं 'समकालीन हिंदी कहानी की बदलती विषय वस्तु' पर परिचर्चा

17 नवम्बर 2024 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में हिन्दी साहित्य जगत की दो विशिष्ट विभूतियों, श्रीमती ममता कालिया एवं डॉ. अनामिका को 'हिन्दी साहित्य सेवी सम्मान' प्रदान कर, शब्दम् ने स्वयं को गौरवान्वित अनुभव किया। इस अवसर पर 'समकालीन हिंदी कहानी की बदलती विषय वस्तु' पर परिचर्चा भी हुई।

प्रख्यात कथाकार ममता कालिया ने कहा कि इस सोशल मीडिया के दौर में हिंदी भाषा को बचाने की जरूरत है। प्रख्यात कवयित्री और कथाकार अनामिका ने कहा कि आजकल हिंदी की विभिन्न विधाओं में आवाजाही हो रही है। आजकल समाज से चिट्ठियाँ गायब हैं लेकिन कहानी में चिट्ठियाँ उपस्थित हैं। साहित्य सबको जीवित रखता है। कहानी में कविता आ रही है और कविता में कहानी। जिंदगी एक रफ ड्राफ्ट है और साहित्य इसी रफ ड्राफ्ट से मुकम्मल रचना देता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. सुबोध दुबे ने कहा कि यह देश कहानी का जन्मदाता देश है। हमारे वेद, पुराण, उपनिषद, रामायण, महाभारत असंख्य कहानियों के खजाने हैं।



हिन्दी सेवी सम्मान प्राप्त करतीं डॉ. अनामिका सिंह



हिन्दी सेवी सम्मान प्राप्त करतीं – ममता कालिया


माधव संदेश

फिरोजाबाद/मैनपुरी

सोशल मीडिया के दौर में हिंदी भाषा को बचाने की जरूरत : कालिया

संवाद माधव संदेश

2025

16 नवम्बर 2025 को शब्दम् का इक्कीसवां स्थापना दिवस समारोह नई दिल्ली के हिंदी भवन के सभागार में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष एवं बजाज इलेक्ट्रिकल्स के अध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक श्री शेखर बजाज ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रंगकर्मी, संपादक और विज्ञापन जगत की प्रमुख हस्ती मुकुल उपाध्याय को शब्दम् का "हिंदी सेवी सम्मान" प्रदान किया। डॉ. महेश आलोक ने मुकुल जी का विस्तृत परिचय दिया।

शब्दम्–अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज, वरिष्ठ सदस्य प्रो. नन्दलाल पाठक व श्री उदयप्रताप सिंह ने वीडियो–संदेश द्वारा मुकुल जी के योगदान का स्मरण किया व उनको बधाई दी। मुख्य अतिथि मुकुल उपाध्याय ने सम्मान के लिये शब्दम् के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होनें विशेषतः बजाज परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें संपादन व विज्ञापन के क्षेत्र में कार्य करने के लिये न केवल प्रोत्साहित किया बल्कि अवसर भी दिये।

समारोह अध्यक्ष श्री शेखर बजाज ने मुकुल जी से जुड़े अपने पुराने संस्मरण श्रोताओं के बीच साझा किए। साथ ही उनके योगदान, लगन, कार्य शैली व क्षमता की सराहना की।

इस अवसर पर एक काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें लोकप्रिय कवि अरुण जैमिनी और चिराग जैन ने श्रोताओं को अपने काव्य पाठ से मंत्रमुग्ध कर दिया। सचांलन डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया ने किया।

जानेमाने व्यंग्यकार प्रेम जनमेजय, साहित्यकार रामकिशोर उपाध्याय, गोविंद व्यास (मंत्री– हिन्दी भवन), हरिप्रसाद बर्मन (कोषाध्यक्ष–हिंदी भवन), रत्नावली कौशिक (सहमंत्री–हिंदी भवन), नीति गुप्ता, अतुल प्रभाकर (मंत्री– विष्णु प्रभाकर न्यास), दीपा भटनागर (अशोका विश्वविद्यालय) गीतिका बजाज, आशा जोशी, समीर विश्वास आदि की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को भव्य बना दिया।

एडवर्टाइजिंग, मीडिया और मनोरंजन जगत की वरिष्ठ सदस्य रेखा निगम ने अपने संदेश में कहा, "एडवर्टाइजिंग की दुनिया में अंग्रेजी का वर्चस्व था....पर मुकुल जी ने यहां हिन्दी की अपनी मौलिक खुशबू बिखरा दी। मुझ जैसे अनेक युवा हिन्दी लेखक इन्हीं के मार्गदर्शन का संबल लेकर आगे बढ़े। मुकुल जी के योगदान से ही भारतीय एडवर्टाइजिंग जगत में भारतीयता का रस, रंग और खुशबू व्याप्त हुए।"

कार्यक्रम संचालन श्री अरविंद तिवारी ने किया।

श्री मंज़र–उल वासै ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

परिचय– श्री मुकुल उपाध्याय

वर्धा में जन्मे श्री मुकुल उपाध्याय इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. करने के साथ ही बजाज इलेक्ट्रिकल्स से जुड़ गए।

मुकुल जी बजाज समूह की विभिन्न कंपनियों, फाउंडेशन और ट्रस्टों की विशेष परियोजनाओं और आयोजनों से निकटता से जुड़े रहे। वे बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में एक प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में शामिल हुए और कंपनी के उपाध्यक्ष और शीर्ष प्रबंधन समिति के सदस्य बने। इन वर्षों में, उन्होंने कंपनी की ब्रांड पहचान, विज्ञापन संचार, जनसंपर्क और विपणन अनुसंधान कार्यों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बजाज विरासत का दस्तावेजीकरण, अभिलेखाकार सलाहकार होते हुए कई समूह प्रकाशनों का संकलन, संपादन और प्रकाशन किया।

जमनालाल बजाज पुरस्कार, महिला उद्यमियों के लिए आईएमसी लेड़ीजविंग का जानकीदेवी पुरस्कार से उसकी स्थापना से जुड़े रहे। अपने प्रगतिशील दृष्टिकोण, रचनात्मक सक्रियता से विज्ञापन जगत में भी बहुत सम्मानित रहे।

विज्ञापन जगत के प्रमुख संस्थान अंतरराष्ट्रीय विज्ञापन संघ (Twor&term President, International Advertising Association – India Chapter) एवं द एडवरटाइजिंग क्लब बॉम्बे

(Two&term President, The Advertising Club, Bombay) के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (Advertising Standards Council of India) एवं भारतीय मीडिया अनुसंधान उपयोगकर्ता परिषद (Media Research Users Council of India) के संस्थापक सदस्य हैं। आप भारतीय विज्ञापनदाता समाज के कार्यकारी पार्षद रह चुके हैं।

आपने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अंग्रेजी प्रभुत्व वाले विज्ञापन जगत में हिन्दी को प्रतिष्ठित कर दिया।

आज भी बजाज से अभिलेखाकार और सलाहकार के रूप में जुड़े हुए हैं।



श्री मुकुल उपाध्यायजी को सम्मान पत्र देकर सम्मानित करते श्री शेखर बजाज

कविताओं के माध्यम से संस्था की प्रगति पर दिया जोर



स्थापना दिवस पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुकुल उपाध्याय (दाएं से तीसरे) को शब्दम् का हिंदी सेवी सम्मान देने के बाद साथ खड़े बजाज कंपनी के सीएम डी. शेखर बजाज (दाएं से चौथे) व अन्य • जागरण

संस, जागरण • शिकोहाबाद: अंतरराष्ट्रीय संस्था शब्दम का 21वां स्थापना दिवस समारोह नई दिल्ली के हिंदी भवन के सभागार में रविवार को आयोजित हुआ। जिसमें काव्य पाठ के साथ संस्था की प्रगति पर जोर दिया गया।

मुख्य अतिथि प्रसिद्ध रंगकर्मी संपादक और विज्ञापन जगत की प्रमुख हस्ती मुकुल उपाध्याय रहे। मुख्य अतिथि के रचनाकर्म पर डा. महेश आलोक ने प्रकाश डाला। शब्दम की अध्यक्ष किरण बजाज का संदेश एलइंडी टीवी के माध्यम से सुनाया गया। उपाध्यक्ष उदय प्रताप और नंदलाल पाठक के वीडियो संदेश भी प्रसारित किए गए। गीतिका बजाज ने भी कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम में दीपक ओहरी ने पीपीटी के जरिए संस्था की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन व्यंग्यकार अरविंद तिवारी ने किया। हास्य कवि अरुण जेमिनी और चिराग जैन ने श्रोताओं को अपने काव्य पाठ का गायन किया।

अध्यक्षता बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के सीएमडी शेखर बजाज ने की। संचालन प्रसिद्ध कवि डा. ध्रुवेंद्र भदोरिया ने किया। इस दौरान प्रेम जनमेजय, रामकिशोर उपाध्याय, गोविंद व्यास, रत्ना कौशिक, नीति गुप्ता, आशा जोशी, मोहित जादौन, प्रीति ओहरी उपस्थित रहे।



सभागार में उपस्थित अतिथिगण

शब्दम् संस्था प्रतिवर्ष महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के प्रोत्साहन के लिए महिलाओं के कानूनी अधिकारों को लेकर जागरूकता, उनके द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों के लिए सम्मान देकर उनका उत्साहवर्धन करती है।

2022

8 मार्च 2022 को महिला दिवस के अवसर पर शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में आवासीय कॉलोनी की महिलाओं का सम्मान किया गया, जिसमें महिलाओं ने **''महिलाओं की सुरक्षा, महिलाएँ कुरीतियों से कैसे बचें व वह स्वयं अपने स्वास्थ्य की देखभाल कैसे करें''** विषय पर अपने–अपने विचार रखे।





उपस्थित कॉलोनी व सिलाई केन्द्र की महिलाएँ

2023

10 अप्रैल 2023 को क्रिकेट खेल जगत में अपना परचम लहराने वाली विश्व विजेता **भारतीय महिला क्रिकेट टीम अंडर–19 की सदस्य कु. सोनम यादव** का सम्मान शिकोहाबाद, संस्कृति भवन में किया गया। इस अवसर पर **'वर्तमान में महिलाओं का खेल जगत में योगदान'** विषय पर गोष्ठी भी की गई।


क्रिकेटर सोनम यादव का किया सम्मान



2024

16 मार्च 2024 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में महिला दिवस के उपलक्ष्य में बालिकाओं एवं महिलाओं के वित्तीय एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता को लेकर **'महिला शक्ति समारोह'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि **महिला अधिवक्ता आरती यादव** ने सभागार में उपस्थित सभी महिलाओं को सम्बोधित करते हुए भारतीय कानून में शामिल महिलाओं के वित्तीय, कानूनी, संवैधानिक नियमों की जानकारी दी।





समूह छायांकन

साहित्य, संगीत कला को समर्पित शब्दम संस्था के सहयोग से महिला शक्ति कार्यक्रम

आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं हैं कदमः आरती

योग संस्कृति के अंतर्गत योग कार्यक्रम – करें योग, रहें नीरोग

संस्था द्वारा प्रतिवर्ष योग दिवस के अवसर पर 'करें योग, रहें नीरोग' का आयोजन किया जाता है, जिसके अंतर्गत योग्य एवं प्रशिक्षित योग गुरु को बुलाकर योग क्रियाओं को करने का सही तरीका सिखाया जाता है। योग का मुख्य उद्देश्य है लोगों को योग संस्कृति से जोड़ना जिससे लोग एक स्वस्थ जीवन जी सकें व अन्य लोगों को भी योग के लिए जागरूक कर सकें। अभी तक योग के लगभग 30 कार्यक्रम हो चुके हैं।

इस अवसर पर पर्यावरण मित्र के स्वयंसेवक, योग गुरु से योग सीखते हैं व पूरे वर्ष अपने गाँव में योग सिखाते हैं। स्वयंसेवक प्रवीण कुमार व हरी सिंह लगातार योग गुरु की भूमिका निभा रहे हैं।

2022

21 जून 2022, 2023 व 2024 को विश्व योग दिवस के अवसर पर योग गुरु डॉ. पी.एस.राना एवं श्री शौर्य प्रताप ने सभी पर्यावरण मित्रों को योग सिखाया।



योग की मुद्रा में शौर्य प्रताप



योग कार्यक्रम में गूंजा करें योग, रहें निरोग

माधव संदेश संवाददाता

फिरोजाबाद/शिकोहाबाद (अब्दुल सत्तार)। पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा बुध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के जीवन पर प्रकाश डाला तथा योगाभ्यास कराते हुए योग के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का आयोजन बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड आवासीय परिसर में किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जिला प्रभारी पंतजलि युवा समिति अभय आर्य ने बताया कि भगवान बुद्ध द्वारा मानव के लिए एक शुभ संदेश दिया गया। जिसमें उन्होंने सबसे ज्यादा जोर अहिंसा पर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध ने हमेशा जीवन में आहार विहार एवं योग को अत्यन्त महत्व दिया। योग गुरु अभय आर्य ने उपस्थित सभी सदस्यों को योग अनलोम विलोम,भस्त्रिका,भ्रामरी, प्रणायाम एवं कई प्रकार के आसन की क्रिया करायीं व निरोग रहने का संदेश दिया। पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने मुम्बई से भेजे अपने संदेश में कहा कि योगासन सिर्फ दैनिक कसरत नहीं है। यह देह और श्वास का अध्यात्मिक सन्तुलन है। जब हम प्रणायाम करते हैं तब प्राण वायु शुद्ध और तेजस्वी बनती है। हम अपनी प्राण वायु को सन्तुलित करते हैं। उससे ऊर्जा शीतलता उत्पन्न होती है। मन के विचार निरस्त होते हैं। प्राणायाम श्वाँस की गति नियन्त्रित कर एकाग्रता शान्ति और जीवन को रोगमुक्त करना है।

2024

इसी क्रम में **23 मई 2024 को बुद्ध पूर्णिमा** के अवसर पर योग गुरु जिलाप्रभारी पंतजलि युवा समिति अभय आर्य द्वारा भगवान बुद्ध के जीवन पर प्रकाश डालते हुये, योगाभ्यास कराया गया।

योग गुरु अभय आर्य







योग करते पर्यावरण मित्र के साथीगण

2024

12 जनवरी 2024 को आदर्श कृष्ण महाविद्यालय शिकोहाबाद (उ.प्र.) में योग गुरु जिलाप्रभारी पंतजलि युवा समिति अभय आर्य के निर्देशन में जनपद फिरोजाबाद के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 500 विद्यार्थियों एवं नगर वासियों को 108 सूर्य नमस्कार कराए गए। इस आयोजन को शब्दम् सहित कई संस्थाओं ने प्रायोजित किया।



सूर्य नमस्कार में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण



2025

13 मई 2025 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम्–पर्यावरण मित्र प्रागंण में बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में भगवान बुद्ध के जीवन पर प्रकाश तथा योग के महत्त्व एवं योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग गुरु डॉ. पी.एस.राना ने उपस्थित सभी सदस्यों को योग के आठ अंग यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के बारे में बताया तथा नीरोग रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिलाप्रभारी पंतजलि युवा समिति आदित्य यादव भी उपस्थित रहे।

21 जून 2025 विश्व योग दिवस के अवसर पर योग गुरु डॉ. पी.एस. राना एवं शौर्य द्वारा सभी कॉलोनी वासियों, पर्यावरण मित्र, शब्दम्, आउटलेट एवं बजाज इले. के लोगों को योगाभ्यास कराया गया।





योगाभ्यास करते पर्यावरण मित्र

रक्षाबंधन

सांस्कृतिक आयोजन

2024

रक्षाबंधन के अवसर पर श्री सिद्धेश्वरनाथ मंदिर प्रांगण में ''प्रकृति की संस्कृति'' के अंतर्गत, कार्यरत सभी कर्मियों द्वारा पेड़ों को रक्षासूत्र बाँधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। सभी ने पौधों का भी रोपण किया। इस अवसर पर अध्यक्ष किरण बजाज ने कहा कि यदि धरती हमारी माता है तो प्रकृति हमारी बहन हुई। अतः हमें प्रकृति की रक्षा जीवन पर्यन्त करनी होगी।





पौधारोपण करतीं महिलाएँ/रक्षासूत्र बाँधते स्वयंसेवक



गणतंत्र दिवस

सांस्कृतिक आयोजन

2023

गणतंत्र दिवस – गीत गायन प्रतियोगिता

गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष संस्था देशप्रेम पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन छात्र–छात्राओं के मध्य कराती है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में देशप्रेम की भावना जागृत करना है।



सम्मान पत्र के साथ समूह छायांकन

23 जनवरी 2023 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता **'मेरा रंग दे बसंती चोला'** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 12 विद्यालयों के 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों का उत्साह देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता में अभूतपूर्व था। कार्यक्रम में प्रथम स्थान ज्ञानदीप विद्यालय की छात्रा आरजूवीर, द्वितीय स्थान राज कान्वेन्ट विद्यालय की छात्रा सुहानी व तृतीय स्थान ब्लूमिंग बड्स विद्यालय की छात्रा साक्षी ने प्राप्त किया।


देशभक्ति गीत-गायन में दीं शानदार प्रस्तुति



प्रथम पुरस्कार प्राप्त करतीं छात्रा आरजूवीर



2024

26 जनवरी 2024 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में देशप्रेम गीत/कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एस. आर. एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल, पी. एस. ग्लोबल एकेडमी, माँ अंजनी सी.सेके. स्कूल, ब्लूमिंग बड्स स्कूल तथा आईवी इंटरनेशनल स्कूल के कुल 10 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

देशप्रेम गीत–गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पी.एस. ग्लोबल एकेडमी की छात्रा अवन्तिका, द्वितीय स्थान ब्लूमिंग बड्स स्कूल की छात्रा साक्षी एवं तृतीय स्थान माँ अंजनी सीनियर सेके. स्कूल की छात्रा सौम्या ने प्राप्त किया।


हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com | अपना फिरोजाबाद

गायन में अवंतिका अव्वल और साक्षी दूसरे स्थान पर

शिकोहाबाद, हिन्दुस्तान संवाद।
साहित्य संगीत एवं कला को समर्पित शब्दम् द्वारा देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन हिन्द लैप्स परिसर में किया। प्रतियोगिता में ब्लूमिंग बड्स सहित कई विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। देशप्रेम गीत-गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पीएस ग्लोबल एकेडमी की छात्र अवंतिका रही। ब्लूमिंग बड्स स्कूल की छात्रा साक्षी द्वितीय, माँ अंजनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा सौम्या तीसरे स्थान पर रहीं। अरविंद तिवारी ने शब्दम के कार्यों से परिचित कराया। शब्दम् संस्था देश की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। संस्था के अध्यक्ष किरण बजाज ने कहा कि आज हम सबको जिम्मेदारियों को समझने की आवश्यकता है। हमें जो काम मिला है या हमने लिया है उसे पूरी गुणवत्ता और मेहनत के साथ पूरा करें। अपने काम के साथ-साथ संस्कृति एवं प्रकृति की भी सेवा करें। देश को उन्नत बनाए। जाति और धर्म से भी ऊपर अपना देश है। हमें ये देखना चाहिए कि हमने देश को क्या दिया। निर्णायक मंडल में शब्दम् सलाहकार समिति सदस्य मंजर उलवासे एवं अरविन्द तिवारी रहे। सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। संचालन मोहित जादौन एवं आभार व्यक्त विवेक शुकला ने किया। कार्यक्रम में दीपक ओहरी, पंकल शुक्ला, सोनू बघेल, रिया यादव, इंद्रपाल सिंह, इशिता, रश्मि, संजीव, सुनील, भूपेंद्र सिंह, राहुल शर्मा एवं राजीव प्रताप सिंह मौजूद रहे।

- शब्दम ने प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को किया पुरस्कृत
- सभी अपनी जिम्मेदारी समझें, देश के प्रति रखें प्रेम

शिकोहाबाद में शब्दम संस्था द्वारा गीत एवं कविता प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। ●हिन्दुस्तान

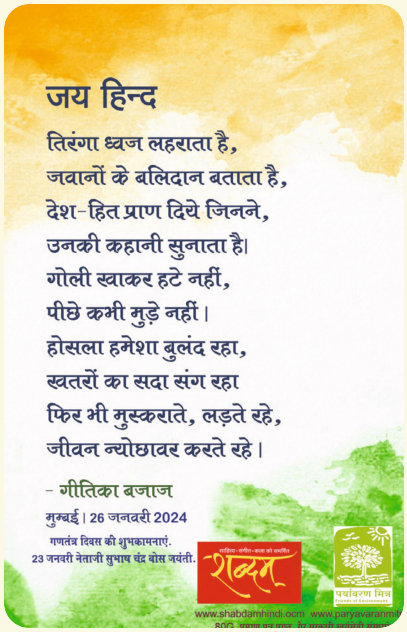





प्रथम पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा अवन्तिका

2023

प्रकृति एवं संस्कृति पर शिक्षकों के मध्य गोष्ठी

18 अगस्त 2023 को 'प्रकृति एवं संस्कृति के मूल्य विद्यार्थियों में कैसे स्थापित करें' विषय पर संस्कृति भवन, शिकोहाबाद (उ.प्र.) में गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में शब्दम् अध्यक्ष किरण बजाज ने मुम्बई से भेजे अपने संदेश में कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर शिकोहाबाद के छात्र–छात्राओं में परिवर्तन लाएंगे। उनको एक स्वस्थ और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनायेंगे। परिवार से समाज और समाज से ही देश बनता है।

कार्यक्रम में यंग स्कालर्स निदेशिका ईशा आहूजा, ब्राइट स्कालर्स प्रधानाचार्य अंजना शर्मा, कल्पतरू फाउण्डेशन के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, डिवाइन इंटरनेशनल की निदेशिका गरिमा गुप्ता, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजीव गुप्ता ने अपने विचार रखे। शब्दम् सलाहकार अरविन्द तिवारी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।


सभागार का दृश्य।

बहन बचाओ विचार गोष्ठी — सांस्कृतिक आयोजन

2024

15 अक्टूबर 2024 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) शब्दम् संस्कृति भवन में बहन बचाओ गोष्ठी के अंतर्गत 'बहन के अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा कैसे हो' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विचार गोष्ठी में नारायण महाविद्यालय, पालीवाल महाविद्यालय, आदर्श कृष्ण महाविद्यालय और शान्तिदेवी आहूजा महाविद्यालय के कुल 130 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
सभी विद्यार्थियों ने 52 पौधों को रोपित कर, सुनैना वाटिका का भी उद्घाटन किया।
उन्हें संस्कृति और प्रकृति के प्रति सचेत होने का संदेश दिया गया।



समूह छायांकन



महिलाओं को परिवार में मिले बराबर का हक: किरण बजाज

अमर भारती संवाददाता

शिकोहाबाद। साहित्य, संगीत कला को समर्पित संस्था शब्दम ने संस्कृति भवन सभागार में बहन बचाओ विचार गोष्ठी का आयोजन किया। विचार गोष्ठी से पूर्व विद्यार्थियों ने 52 पौधों का रोपण कर सुनैना वाटिका का उद्घाटन किया। गोष्ठी का विषय बहन के अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा कैसे हो था।

विचार गोष्ठी में नारायण महाविद्यालय, पालीवाल महाविद्यालय, आदर्श कृष्ण महाविद्यालय और शान्तिदेवी आहूजा महाविद्यालय के कुल 130 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी के विषय पर छात्र छात्राओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। शब्दम् अध्यक्ष किरण बजाज ने कहा कि एक स्वस्थ समाज का तभी निर्माण होगा जब भाई-बहन परस्पर मिलकर समाज बनायेंगे। महिलाओं को बराबर का हक मिलना चाहिए। शान्तिदेवी आहूजा कॉलिज के नवीन मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रदेवता के मानचित्र को सजाने हेतु चित्र नहीं व्यक्ति का चरित्र होना चाहिए। ए के कॉलिज के प्रोफेसर डॉ. स्नेहलता चतुर्वेदी ने भी विचार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि नारायण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वी के सिंह ने कहा कि चरित्र निर्माण सबसे पहले स्वयं से प्रारम्भ करना होगा और यह प्रत्येक विद्यार्थी ही नहीं वरन प्रत्येक नागरिक को ही सीखना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पालीवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि शब्दम संस्था समाज उत्थान के अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पुरूषों की बराबरी का दर्जा हर स्तर पर दिया जाए। कार्यक्रम का संचालन दीपक ओहरी ने किया। इस दौरान डॉ. विशाल पाठक, डॉ. अश् शर्मा, डॉ. स्वीटी सिंह, डॉ. कविता यादव, डॉ. सुशील मिश्रा, डॉ. आलोक पाठक, डॉ. ए.के. गुप्ता, डॉ. प्रियंका राजपूत, मंजर उलवासै, अरविन्द तिवारी, मोहित जादोंन, भूपेन्द सिंह, राजीव प्रताप सिंह, राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

शिकोहाबाद में विचार गोष्ठी के दौरान बच्चों को सम्मानित करते अतिथि।

2024

6 जुलाई 2024 को शब्दम् ने वृंदावन (उ.प्र.) रमणरेती स्थित, भक्तिधाम में आचार्य सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय 'युवाओं में आध्यात्म का महत्त्व' था।

कार्यक्रम में मीरा धानुका, रेनु हकीम, नर्मदा माताजी, मीनाक्षी गोस्वामी, विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं के आचार्यगण व विद्यार्थियों सहित 150 लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आचार्य श्री नेत्रपाल शास्त्री जी को सुदामा कुटी, सुदर्शन आश्रम, श्रीकृष्ण कृपा धाम जैसे प्रतिष्ठित विद्यालयों में श्रीमद्भागवत शिक्षण कार्य के लिए सम्मान दिया गया। आचार्य श्री सुखेन्द्र मिश्र जी को आनंद धाम, श्रीकृष्ण कृपा धाम तथा वृंदावन के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों में श्रीमद्भागवत, कर्मकांड एवं व्याकरण आदि की शिक्षा प्रदान करने और वृंदावन के अतिरिक्त अनेक प्रांतों में कथा, प्रवचन की सेवा निःस्वार्थ भाव से करने के लिए सम्मान दिया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट सम्माननीय आचार्य नेत्रपाल शास्त्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि भागवत के रंतिदेव जी ने सम्पूर्ण प्राणियों का दुःख देखकर के भगवान से प्रार्थना की कि कोई भी दुःखी न हो और इन सभी प्रणियों के दुःख भोगने की मुझमें शक्ति हो।

विशिष्ट सम्माननीय आचार्य सुखेन्द्र मिश्र ने अपने वक्तव्य में कहा कि युवाओं को वृद्धों की सलाह लेकर कार्य करना चाहिए, जिस प्रकार हनुमान जी ने जामवन्त जी महाराज की सलाह लेकर कार्य किया तो उसमें सफल हुए। इसी प्रकार जो युवा अपने से बड़े की सलाह लेकर कार्य करता है तो उसको सफलता अवश्य मिलती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजाराम मिश्र रहे एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री ओमप्रकाश धानुका ने दिया।

गुरु महिमा पर गीतिका बजाज जी द्वारा तैयार कविता को कार्यक्रम में पढ़कर सुनाया गया।

अन्तर मन गुरु

गुरु है ज्ञान
गुरु है स्वाभिमान
गुरु है सरलता
गुरु है विनम्रता
गुरु है नवीनता
गुरु है गुणवत्ता
गुरु है पूर्णता
गुरु है सुंदरता
गुरु है प्रार्थना
गुरु है आराधना
गुरु है नैतिकता
गुरु है आध्यात्मिका

गीतिका बजाज



सम्बोधित करते ओमप्रकाश धानुका



मंचासीन गुरुजन


सभागार में उपस्थित विद्यार्थी


सभागार में उपस्थित अतिथिगण

वेद ही परम प्रमाण हैं–राजाराम मिश्र

स्वदेश समाचार ■ वृंदावन

साहित्य संगीत कला को समर्पित संस्था शब्दम् द्वारा इस्कॉन मंदिर के निकट भक्तिधाम में आचार्य सम्मान समारोह एवं युवाओं में अध्यात्म का महत्व विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि राजाराम मिश्र ने कहा कि वेद ही परम प्रमाण हैं। प्रत्यक्ष आदि प्रमाणों के माध्यम से जिस वस्तु का बोध नहीं होता, उसका बोध वेदों के माध्यम से हो जाता है। अध्यक्षता करते हुए स्वामी गोविंदानंद तीर्थ ने कहा कि शब्द ही संसार है। युवाओं की वेशभूषा पर कहा कि संस्कृत पढ़ने वाले छात्र हाथ में ग्रंथ लेकर अपनी भेषभूषा धारण किए माथे पर चंदन लगाए हुए हैं, लेकिन व्यवहार शास्त्रीय अनुसार नहीं है। सम्माननीय आचार्यों की विशेष जिम्मेदारी है कि वे उन्हें मार्ग दिखाएं।आचार्य नेत्रपाल शास्त्री ने कहा कि भागवत के रंतिदेव जी ने संपूर्ण प्राणियों का दुःख देखकर भगवान से प्रार्थना की कि कोई भी दुःखी न हो और इन सब प्रणियों की दुःख भोगने की मुझमें शक्ति हो। आचार्य सुखेंद्र मिश्र ने कहा कि युवाओं को वृद्धों की सलाह लेकर कार्य करना चाहिए। जिस प्रकार हनुमानजी ने जामंत महाराज की सलाह लेकर कार्य किया तो उसमें सफल हुए। ओमप्रकाश धानुका ने युवाओं से आह्वान किया कि महापुरुषों के आदर्शों पर चलने का प्रयास करें। संस्था अध्यक्ष किरण बजाज ने ऑडियो संदेश में कहा कि भारत में गुरु नितांत विषय का ही ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य का चरित्र निर्माण एवं अध्यात्म का ज्ञान देते हुए जीवन जीने की कला भी सहज ही सिखा देता है।

इससे पूर्व नेत्रपाल शास्त्री एवं सुखेंद्र मिश्र का सम्मान पत्र, हरित कलश बैजयंती माला एवं पटुका ओढ़ाकर विशिष्ट सम्मान किया गया। वहीं गुरु महिमा पर गीतिका बजाज की कविता को पढ़कर सुनाया गया। कार्यक्रम में मीरा धानुका, रेनु हकीम, माता नर्मदा, मीनाक्षी गोस्वामी एवं संस्कृत पाठशाला के गुरुजन व विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।


आचार्यों का सम्मान करते शब्दम् संस्था के पदाधिकारी।

2024

11 मई 2024 को प्रभु श्रीराम पर गीत कविता एवं रामायण के पात्रों पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृति भवन सभागार शिकोहाबाद (उ.प्र.) में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में सिरसागंज मदनपुर के पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, शिकोहाबाद के विशुद्ध इंटरनेशनल एकेडमी, ज्ञानदीप सीनि. सेके., यंग स्कालर्स एकेडमी एवं राजकान्वेंट इण्टर कॉलेज सहित कुल पाँच विद्यालयों के 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता दो चरण में कराई गई। पहले चरण में श्रीराम पर गीत/कविता प्रतियोगिता रखी गई जिसमें विशुद्ध इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा काव्या जादोंन ने प्रथम, राज कान्वेंट इण्टर कॉलेज की छात्रा अनुज्ञा ने द्वितीय तथा विशुद्ध इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा वैष्णवी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीय चरण में रामायण के पात्रों पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता कराई गई जिसमें प्रथम स्थान कु. गौरी विशुद्ध इंटरनेशल एकेडमी, द्वितीय स्थान अनन्या ज्ञानदीप सीनि सेके. स्कूल तथा तृतीय स्थान श्रवणी अग्रवाल ज्ञानदीप सीनि. सेके. स्कूल ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में विद्यार्थी एवं शिक्षक सहित 120 लोग मौजूद रहे।



भगवान राम व हनुमान के परिधानों में विद्यार्थी


सभागार में उपस्थित श्रोतागण

आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कायक्रमों से जुड़कर कार्य करने के पीछे संस्था का मुख्य उद्देश्य है कि हमारी संस्कृति का महत्त्व जन–जन तक पहुँचे जिससे युवाओं में शिक्षा के साथ–साथ संस्कार भी दिये जा सकें। धार्मिक कार्यक्रमों में श्रोताओं को सांस्कृतिक गुण बताने हेतु शब्दम् ने निम्न कार्यक्रम किये।

14 नवम्बर 2022 को महावीर सेवा समिति के साथ श्रीहनुमान जन्मोत्सव में भाग लिया।

24 फरवरी 2022 को शब्दम् ने शिवा सुन्दर काण्ड सेवा समिति के साथ श्रीराम कथा में भाग लिया।

7 मार्च 2022 को श्री बालाजी मंदिर शिकोहाबाद (उ.प्र.) पर विश्व शांति हेतु बालाजी महन्त जी से हवन करवाया गया।

11 दिसम्बर 2024 गीता जयंती के अवसर पर प्रो. नंदलाल पाठक की पुस्तक "भगवद्गीता आधुनिक दृष्टि" के द्वितीय अध्याय को, दीपक औहरी द्वारा सभी संस्था कर्मियों को पढ़कर सुनाया गया व उसकी व्याख्या की गई। संस्था द्वारा अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 15 जनवरी से 26 जनवरी 2024 तक लगातार कार्यक्रम हुए।

15 जनवरी 2024 भगवान श्री राम को नमन करते हुए योग साधना एवं मकर संक्रांति पर 25 बार सूर्य नमस्कार किया गया।

16 जनवरी 2024 को सरस्वती विद्या मंदिर शिकोहाबाद (उ.प्र.) में 250 विद्यार्थियों के मध्य भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित शब्दम् हिंदी प्रश्नमंच हुआ।

16 जनवरी 2024 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) संस्कृति भवन सभागार में 100 गण्यमान्य लोगों के मध्य भगवान श्रीराम पर 'सबके राम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता शब्दम् सलाहकार समिति के सदस्य एवम् वरिष्ठ कवि डॉ. ध्रुवेंद्र भदौरिया रहे।

17 जनवरी 2024 को ज्ञानदीप सीनियर सेकेण्डरी स्कूल शिकोहाबाद (उ.प्र.) में 300 विद्यार्थियों के मध्य भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित प्रश्नमंच कार्यक्रम कराया गया।

20 जनवरी 2024 को श्री सिद्धेश्वर नाथ मंदिर प्रागंण में 300 श्रोताओं के मध्य पारम्परिक संगीतमय सुंदरकांड, भजन संध्या एवं 251 दीप प्रज्वलित किए गए। यह संगीतमय सुन्दरकाण्ड, श्रीराम सेवा समिति एवं बालशुक शरद कृष्ण महाराज के तत्त्वावधान में हुआ।

21 जनवरी 2024 को बजाज इलेक्ट्रिकल्स लि. आवासीय कॉलोनी में उपस्थित सभी सदस्यों के द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

22 जनवरी 2024 को श्री सिद्धेश्वर मंदिर प्रांगण में 4 जनवरी से चल रही रामायण का समापन, भगवान् विष्णु एवं शालिग्राम की तुलसी दल से पूजन, अभिषेक, आरती एवं 501 दीप प्रज्वलित किए गए।

23 जनवरी 2024 को कमल नयन बजाज जयंती पर पौधारोपण किया गया साथ ही उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया और प्रभु श्रीराम पर चर्चा की गई।

24 जनवरी 2024 को बीडीएम इंटर कॉलेज की छात्राओं को वन दर्शन कराया गया तथा उन्हें बताया गया कि प्रभु श्रीराम भी 14 वर्षों तक वनों में रहे। वन हमारी संस्कृति हैं।

26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर झण्डारोहण के साथ देशभक्ति एवं प्रभु श्रीराम पर गीत गायन कार्यक्रम किया गया।

14 अप्रैल 2025 को रामनवमी व हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में श्री सिद्धेश्वरनाथ मंदिर प्रांगण शिकोहाबाद में बालशुक श्री शरद कृष्ण महाराज ने उपस्थित सभी के साथ मिलकर हनुमान चालीसा व श्री रामचन्द्र कृपालु भजुमन का पाठ कराया। इस अवसर पर पालीवाल महाविद्यालय की छात्राओं ने श्रीराम पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में लगभग 100 लोग उपस्थित रहे।

सभी कार्यक्रमों में शब्दम् ने मंच से अपील की कि सभी भक्तगण प्रसाद लेने के बाद उसका दोना डस्टबिन में ही डालेंगे। इस अपील के बाद लोगों को स्वच्छता संस्कृति से जोड़ा गया।



पारम्परिक सुंदरकाण्ड का पाठ करते
बालशुक शरद कृष्ण महाराज



सबके राम कार्यक्रम में सभा को सम्बोधित करते
डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया



सुंदरकाण्ड में उपस्थित श्रोतागण



हनुमान चालीसा में उपस्थित श्रोतागण

मंदिर व हिंद परिसर में मनाया गया दीपोत्सव

शहर में जगमग हो रहे हैं विभिन्न मंदिर व सड़कें

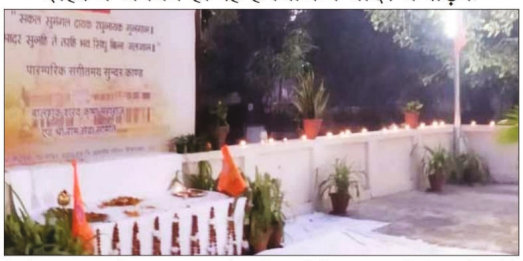

शिकोहाबाद (सच कहूँ न्यूज)। श्रीधाम अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में संस्था शब्दम व श्रीराम सेवा समिति ने पारंपरिक संगीतमय भजन संध्या तथा दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथियों ने दीपदान किया एवं श्रीराम सेवा समिति के बालशुक शरदकृष्ण ने कहा कि राम को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। संस्था की अध्यक्ष किरण बजाज ने मुंबई से भेजे अपने संदेश में सभी का धन्यवाद दिया। इस मौके पर मंदिर तथा आसपास दीपोत्सव किया गया । कार्यक्रम में अरविन्द तिवारी, राजीव गुप्ता, संजीव आहूजा, विनय आहूजा, हिमांशु कुलश्रेष्ठ, हेमंत स्वामी, गगन कपूर, शेखर अग्रवाल, अनिल पालीवाल, वंदना तिवारी, शिवनाथ सिंह, रामनरेश मौजूद रहे। वहीं पक्का तालाब स्थित शिव मंदिर तथा आसपास के क्षेत्र में भव्य लाइटिंग लगाई गई है, जो अपनी अलग छटा बिखेर रही थीं।

भगवान राम शबरी के भी, रावण के भी

सबके राम कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रभु राम के विभिन्न पहलुओं पर व्यक्त किए विचार

शिकोहाबाद अमर भारती। शब्दम् संस्था द्वारा भगवान राम के 22 जनवरी को अयोध्या मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर संस्कृति भवन में सबके राम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने विचार रखे।

इस अवसर पर डॉ. धुव्रेन्द्र भदौरिया ने विस्तार से भगवान राम के चरित्र के बारे बताते हुए कहा कि हमें भगवान राम के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। भगवान राम से हम क्रोध पर कैसे नियंत्रण करें इसे सीखना चाहिए। आज-कल लोगों को बात-बात पर क्रोध आता है, क्रोध ही मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण बनता है।

भगवान राम सबके है वे ताड़का के भी हैं वे खरदूषण के भी हैं वे रावण के भी हैं और वे रावण के भाई के भी हैं, जिनको उन्होंने मोक्ष दिया। इसके साथ ही वे शबरी के भी हैं जिनको मां के रूप में माना वे निषाद के भी हैं जिनको मित्र रूप में माना अर्थात राम सबके हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमें अपने तन को ही अयोध्या बनाना होगा, क्योंकि जहां कभी युद्ध ही न हुआ हो वह अयोध्या है। इस तन को अवध बनाना होगा जहां कभी किसी का वध ही न हुआ हो वह अवध है।

संस्था द्वारा भगवान राम के जीवन पर आधारित हिन्दी प्रश्नमंच का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर जसलई रोड एवं ज्ञानदीप सीनियर से के. स्कूल में आयोजित की गई। भगवान राम पर आधारित हिन्दी प्रश्नमंच कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों में सही उत्तर देने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान दीपक ओहरी, मोहित सिंह, विकास गुप्ता, मजल उलवासे, डॉ. जयदेव सिंह सहित आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।



शिकोहाबाद में सबके राम विषय पर बोलते हुए अतिथि।

बालशुक शरद कृष्ण ने सुनाए भजन



शिकोहाबाद (सच कहूँ न्यूज)। शब्दम एवं पर्यावरण मित्र संस्था ने श्रीसिद्धेश्वरनाथ मंदिर प्रागंढ में भजन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बालशुक शरद कृष्ण ने हनुमान चालीस का व श्रीरामचन्द्र कृपालु भजुमन का पाठ किया। पालीवाल कॉलेज की छात्राओं आस्था श्रीवास्तव, पायल, सरिता, अर्पिता एवं शिवानी ने अपने भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इस मौके पर मंजर उलवासै, अरूणा आहूजा, डॉक्टर संजीव आहूजा, ईशा आहूजा, राजेश गुप्ता, मीना गुप्ता, आरसी गुप्ता, आरएन यादव, करण माथुर, शोभित अग्रवाल, अनिल पालीवाल, आर.के. बंसल, स्नेहलता, सुनील मिश्रा, मधु शुक्ला, संतोष यादव, समीर विश्वास, विजय यादव मौजूद रहे।

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन..... शब्दम् द्वारा आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम







उजाला आज तक

शिकोहाबाद। रामनवमीं व हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में शब्दम् एवं पर्यावरण मित्र ने श्री सिद्धेश्वरनाथ मंदिर प्रागंढ में भजन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीपप्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात बालशुक श्री शरद कृष्ण महाराज ने उपस्थित सभी के साथ मिलकर हनुमान चालीस का व श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन का पाठ किया। पालीवील कॉलेज से आयीं छात्राओं आस्था श्रीवास्तव, पायल, सरिता, अर्पिता एवं शिवानी ने अपने भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम के अंत में बालशुक शरदकृष्ण बरेजा ने भगवानि शिव एवं हुनमान आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

कार्यक्रम में मंजर उलवासै, अरूणा आहूजा, जतिन आहूजा, ईषा आहूजा, राजेश गुप्ता, मीना गुप्ता, आर.सी.गुप्ता, आर.एन.यादव, करण माथुर, शोभित अग्रवाल, अनिल पालीवाल, आर.के. बंसल, स्नेहलता, सुनील मिश्रा, मधु शुक्ला, संतोष यादव, समीर विश्वास, विजय यादव उपस्थित रहे।

2025

05 दिसम्बर 2025 को शिकोहाबाद स्थित संस्कृति भवन (उ.प्र.) में 'तनाव मुक्त जीवन और गीता' विषय पर आधारित कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आध्यात्मिक वक्ता आचार्य डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया ने गीता के माध्यम से जीवन को तनाव मुक्त रखने के सूत्रों पर चर्चा की। गीता के विभिन्न अध्यायों के श्लोकों के माध्यम से तनाव मुक्त जीवन के लिए उपाए बताए। उन्होंने कहा कि हमें तनाव मुक्त रहने के लिए अपने कर्म पर केंद्रित होना चाहिए न कि प्राप्त होने वाले परिणामों पर। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपनी उपलब्धियों पर ही ध्यान केंद्रित रख कर संतुष्ट रहना चाहिए। दूसरे से ईर्ष्या नहीं रखनी चाहिए। यदि यह सब हम ध्यान रखेंगे तो तनाव मुक्त रह सकेंगे।

गीता का अभिमत है निर्वेद और अनासक्त व्यक्ति, असीम शांति का संपादन करता है और तनाव मुक्त रहता है!



आध्यात्मिक वक्ता आचार्य डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया



तक | उत्तर प्रदेश | आगरा | रविवार 07 दिसंबर 2025 | 3

कर्म की इच्छा करें, फल की नहीं - किरण बजाज

जिसके जीवन में समता आ जाती है उसका जीवन तनाव मुक्त हो जाता है - आचार्य डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया

शब्दम द्वारा आयोजित तनाव मुक्त जीवन और गीता विषय पर आधारित कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक उजाला आज तक

शिकोहाबाद। साहित्य-संगीत-कला को समर्पित संस्था शब्दम द्वारा तनाव मुक्त जीवन और गीताद्ध विषय पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आध्यात्मिक वक्ता आचार्य डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया ने गीता के माध्यम से किस प्रकार जीवन को तनाव मुक्त बनाया जाए इस पर प्रकाश डाला। गीता के विभिन्न अध्यायों के श्लोकों के माध्यम से तनाव मुक्त जीवन के लिए सूत्र बताए।

उन्होंने बताया कि अपने शरीर और मन को समता में रखने के लिए, आहार, विहार, निद्रा और कर्म का संतुलन बहुत आवश्यक है। गीता का मूल सिद्धान्त समता है। समता ही योग है। जिसके जीवन में समता आ जाती है उसके मन में काम क्रोध भय लोभ शोक आदि विकार नहीं रहते और वह तनाव मुक्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि सात्विक आहार, सात्विक व्यवहार और सात्विक स्वाध्याय जीवन को तनाव मुक्त कर देता है। गीता के द्वितीय अध्याय में इस तनाव मुक्त बुद्धि को स्थित प्रज्ञ कहा गया है। स्थित प्रज्ञ व्यक्ति कभी तनाव में नहीं आता और उसकी बुद्धि विचलित नहीं होती है।

कार्यक्रम में शब्दम परिवार अभिनव शब्दम अध्यक्ष किरण बजाज ने मुम्बई से भेजे अपने संदेश में कहा कि गीता हमें सिखाती है कि किसीकर्म से मुक्त्य को रहना चाहिए और अपने कर्म की तरफ ध्यान देना चाहिए और फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।

कार्यक्रम में शब्दम-परिवार अभिनव त्रिपाठी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन दीपक औहरी ने दिया। कार्यक्रम में मुख्य तिवारी, डॉ. समीर विश्वास, सुनील राजपूत, शोभित गुप्ता, अशवीर यादव, लता चौहान, डॉ. टी.एन.यादव, आर.एन.यादव, शिवचरन सिंह, मिनेश चरक, डॉ. रवि सौभिक भाटुडा, डॉ. भावना दुबे, रितु अग्रवाल, विकास गुप्ता, अनिकेत पैठान, रश्मि सिंह, सतीश कुमार समर्थ, प्रिंयम, लक्ष्मण माहेश्वरी, मधु शुक्ला, कीर्ति सिंह, अनिल पालीवाल, रमेशलता, विरेन्द्र श्रीवास्तव, उदयवीर शर्मा, विनीत कुलश्रेष्ठ, डॉ. अजय, सौरभ पटेल, संतोष यादव, धृवेन्द्र सिंह, राजीवरतन सिंह, मोहित जादौन, प्रीती औहरी, संतोष उपाध्याय रहे।



समूह छायांकन

शब्दम् एवं स्पिक मैके के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रति वर्ष विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकरों द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य एवं गायन के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस आयोजन के पीछे दोनों संस्थाओं का मुख्य उद्देश्य वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की विविध कलाओं और सस्कृति के प्रति जागरूक करना, जिज्ञासा पैदा करना और कलाकारों से रूबरू कराकर, भारतीय कलाओं का अनुभव कराना है। **स्पिक मैके** (SPIC MACAY) एक संस्था ही नहीं वरन् एक आंदोलन है जिसकी आज 500 शाखाएँ भारत सहित विदेशों में सक्रिय हैं जिनके द्वारा प्रतिवर्ष 7000 कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि स्पिक मैके के संस्थापक डॉ. किरण सेठ ने नवम्बर 2014 को शब्दम् अध्यक्ष किरण बजाज के साथ शिकोहाबाद चैप्टर प्रारम्भ किया। शिकोहाबाद चैप्टर के द्वारा ही निम्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज तक शब्दम् संस्था, जमनालाल बजाज फाउण्डेशन एवं स्पिक मैके चैप्टर के माध्यम से 91018 विद्यार्थियों के मध्य, 80 कलाकारों को बुलाकर 415 कार्यक्रम के माध्यम से कार्यशाला का आयोजन करा चुकी है। कोरोना काल में अनंत बजाज फाउण्डेशन के साथ लगभग 100 वर्चुअल कार्यक्रम भी आयोजित हुए।

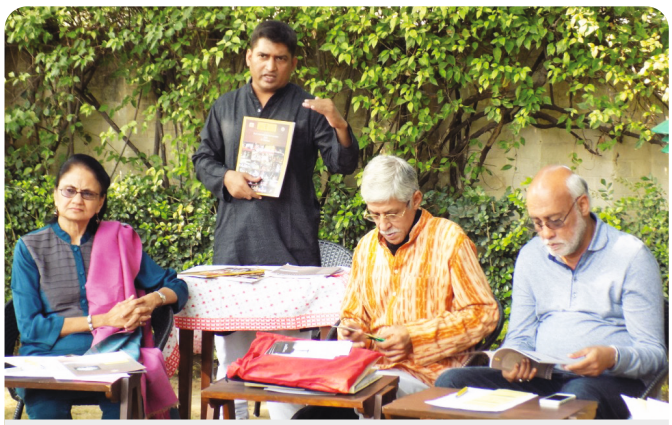

स्पिक मैके चैप्टर शिकोहाबाद का गठन

2022

1 दिसम्बर 2022 को 'शब्दम्', 'स्पिक मैके' एवं **'अनंत बजाज फाउण्डेशन'** के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **भारतीय शास्त्रीय ओडिसी नृत्य एवं कार्यशाला** का आयोजन संस्कृति भवन हिन्द लैम्प्स परिसर शिकोहाबाद (उ.प्र.) में हुआ। **पदमश्री गुरु गीता महालिक ने ओडिसी विधा** में मंगलाचरण, मीरा भजन एवं रामस्तुति का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को ओडिसी नृत्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में पालीवाल पब्लिक स्कूल, पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, कराटियन्स एकेडमी, सेन्ट रामास एकेडमी के 100 विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

ओडिसी नृत्यांगना गीता महालिक – देश के नृत्य समारोहों में से गीता महालिक ने खजुराहो, ऐलौरा, ऐलीफेंट, कौणार्क, गंगा उत्सव, बद्री–केदार, ताज उत्सव, उज्जैन महोत्सव, महाबलीपुरम, आदि उत्सवों में भाग लेकर एक चरम बिंदु पर पहुँचने की महती उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही गीता महालिक जी ने फ्रांस, स्विटजरलैंड, चीन, इटली, स्पेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, पुर्तगाल, ग्रीस और अफ्रीकी महाद्वीप के कई अन्य देशों और दुनिया भर के कई देशों में बड़े पैमाने पर यात्रा और अपनी विलक्षण कला के प्रदर्शन किये हैं। गीता महालिक जी ने देश–विदेश से अपनी कला के अनुरूप विपुल उपाधियाँ पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं।



प्रस्तुति देतीं गीता महालिक व उनके साथी कलाकार



भारतीय शास्त्रीय ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति ने युवाओं का मन मोहा

विद्यार्थियों ने सीखी भारतीय शास्त्रीय नृत्य ओडिसी के गुण

■ SPM NEWS अब्दुल सत्तार

शिकोहाबाद। शब्दम् स्पिक मैके, यंग स्कॉलर्स एकेडमी एवं अनंत बजाज फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारतीय शास्त्रीय ओडिसी नृत्य एवं कार्यशाला का आयोजन यंग स्कॉलर्स एकेडमी और संस्कृति भवन हिन्दलैम्प्स परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें कलाकार पदमश्री गुरू गीता महालक ने ओडिसी विद्या, मंगलाचरण, मीरा भजन एवं राम स्तुति का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कलाकार से कई प्रश्न भी पूछे. जिसका कलात्मक अंदाज में जबाब देकर विद्यार्थियों की जिज्ञासा को शांत किया। कार्यक्रम में पालीवाल पब्लिक स्कूल, पीएस ग्लोबल एकेडमी,कराटियन्स, सेन्ट रामास एकेडमी आदि के विद्यार्थी उपस्थित रहे। मनोज कुलश्रेष्ठ, मंजर उलवासै,डॉ.टीएन यादव,आरसी गुप्ता,मीना गुप्ता,अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।वहीं यंग स्कॉलर्स में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ वाणी के चरणों में गुरु गीता महालक, हरिनारायण दास प्रशांत महाराणा, निखिल बहेरा, रजनी कॉत मोहंती, प्रबंधक डॉ.एकेआहूजा, अरुणा आहूजा, निदेशक डॉ. संजीव आहूजा, निदेशिका ईशा आहूजा, डॉ. शिवा गुप्ता,डॉ. निशांत गुप्ता, प्रधानाचार्य योगेश श्रीवास्तव,माला माहेश्वरी एवं मुकुल महेश्वरी द्वारा दीप प्रज्वलन माल्यार्पण तथा पुष्पार्चन कर किया। पद्म श्री गुरु गीता मलिक द्वारा ओडिसी नृत्य का प्रस्तुतीकरण हुआ जिसमें हरिनारायण दास गायक, प्रशांत महाराणा पखावज, निखिल बहेरा बाँसुरी, रजनी कान्त मोहन्ती मंजीरा पर संगत दे रहे थे।महालक ने कहा कि ओडिसी नृत्य एक शुद्ध नृत्य कला है। इसमें एक हस्तमुद्रा, संयुक्त हस्तमुद्रा व मुखाभिनय को प्रधानता दी जाती है। यह भगवान जगन्नाथ की अर्चना हेतु इस कला का विकाश किया गया। साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया। संचालन पूजा कपूर ने किया।

2023

18 अप्रैल से 20 अप्रैल 2023 तक **'शब्दम्' एवं 'स्पिक मैके'** के सयुंक्त तत्त्वावधान में प्रख्यात **हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायक पं. भोलानाथ मिश्र** द्वारा 6 विद्यालयों के लगभग 1200 विद्यार्थियों के मध्य **कार्यशाला एवं प्रस्तुति** का आयोजन जनपद फिरोजाबाद (उ.प्र.) के विद्यालयों में किया गया। सारंगी पर अजय मिश्रा एवं तबले पर फजल धौलपुरी ने पं. भोलानाथ मिश्र का साथ दिया। ये आयोजन क्रमशः पालीवाल पब्लिक स्कूल शिकोहाबाद, राजकीय इण्टर कॉलेज नसीरपुर, सरस्वती विद्या मंदिर जसलई रोड शिकोहाबाद, डी.आर. इण्टर कॉलेज माधौगंज, कुलभूषण आर्य इंटर कॉलेज मलाहपुर सिरसागंज एवं पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद आदि में हुए।



शास्त्रीय संगीत का आनंद लेते विद्यार्थी

शास्त्रीय गायक

पं. भोलानाथ मिश्र – पंडित भोलानाथ मिश्र ठुमरी, दादरा, कजरी, चैती, होरी, बारहमासा जैसे ख्याल गायकी और पूरब अंग गायकी के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करते हैं। भजन, गीत, ग़ज़ल और टप्पा पर भी उनकी विशेषज्ञता है। पंडित भोलानाथ मिश्र न केवल एक गायक हैं बल्कि एक लेखक और संगीतकार भी हैं और उन्होंने कई ख्याल बंदिशें, भजन, ठुमरी और दादरा की रचना की है। पंडित भोलानाथ मिश्र ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के शीर्ष श्रेणी के कलाकार हैं और उन्होंने भारत और विदेशों में विभिन्न प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में प्रदर्शन किया है।



स्पिक मैके व शब्दम संस्था ने कार्यशाला का किया आयोजन

शिकोहाबाद (सच कहूँ न्यूज)। साहित्य-संगीत-कला को समर्पित संस्था शब्दम एवं युवा पीढ़ी को भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से परिचित कराने के लिए संस्था स्पिक मैके के संयुक्त तत्वाधान में शास्त्रीय संगीत गायक पं. भोलानाथ मिश्र ने तीन दिवसीय कार्यशाला एवं प्रस्तुति का आयोजन किया। कार्यशाला में पालीवाल पब्लिक स्कूल शिकोहाबाद, राजकीय इण्टर कॉलेज नसीरपुर, सरस्वती विद्या मंदिर जसलई रोड शिकोहाबाद, डी. आर. इण्टर कॉलेज माधौगंज, कुलभूषण आर्य इंटर कॉलेज मलाहपुर सिरसागंज एवं पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद ने भाग लिया। तीन दिवसीय कार्यशाला में लगभग एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने इसमें सहभागिता की। कार्यशाला में पं. भोलानाथ मित्र ने दादरा, ख्याल गायिकी एवं भजन की प्रस्तुतियां दी तथा विद्यार्थियों को शास्त्रीय संगीत एवं वाद्ययंत्रो के बारे में जानकारी भी दी। उन्होंने अपने शास्त्रीय गायन के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी गायन से जोड़ते हुए उन्हें अभ्यास कराया। संगीत गायन कार्यक्रम में पं. भोलानाथ मिश्र के साथ सारंगी पर अजय मिश्रा एवं तबले पर फजल धोलपुरी ने साथ दिया। इस मौके पर स्पिक मैके चैप्टर शिकोहाबाद के सदस्य मनोज कुलश्रेष्ठ, पुष्कर तिवारी, मंजर उलवासी, राहुल शर्मा, अंजू मुदगल, पी.के. सिंह, अनिल कुमार चौहान, डॉ. रत्नेश कुलश्रेष्ठ, डॉ. आर.सी. गुप्ता, डॉ. प्रवीन कुमार मौजूद रहे।

आइडियल पब्लिक स्कूल में

2 नवंबर से 4 नवंबर 2023 तक **भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम् के प्रख्यात कलाकार प्रीतम दास** द्वारा 6 विद्यालयों में लगभग 1700 विद्यार्थियों के मध्य भरतनाट्यम् शास्त्रीय नृत्य एवं कार्यशाला का प्रदर्शन किया गया। भरतनाट्यम् शास्त्रीय नृत्य कार्यशाला का आयोजन उत्तर प्रदेश फिरोजाबाद जनपद में स्थित सिरसागंज के जवाहर ज्योति पब्लिक स्कूल, आइडियल पब्लिक स्कूल, जसराना के राजकीय इण्टर कॉलेज, शिव ओम पब्लिक स्कूल एवं शिकोहाबाद के गार्डेनिया इण्टर कॉलेज और एफ.एस. विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों व गण्यमान्यों के मध्य किया गया।



जवाहर ज्योति अनुज पब्लिक व आईडियल पब्लिक स्कूल में भारतीय नृत्य कार्यशाला

प्रीतम दास के भरतनाट्यम ने जीता विद्यार्थियों का दिल

सिरसागंज (सच कहूँ न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय संस्था शब्दम के संयोजन एवं जिला विज्ञान क्लब के सहयोग से विद्यालय जवाहर ज्योति अनुज पब्लिक स्कूल व आईडियल पब्लिक स्कूल में चीरवार को भारतीय नृत्य को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रंजना गुरुदत्त सिंह, सीओ प्रवीण कुमार तिवारी, थाना अध्यक्ष उदयवीर मलिक, जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन, श्वेता पोरवाल, विद्यालय प्रबंधक संजय शर्मा, देश दीपक गुप्ता एवं अंजली पोरवाल ने संयुक्त रूप से माल्यार्पण कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आकर्षण अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर भरतनाट्यम नृत्य विधा में ख्याति प्राप्त कर चुके कलाकार प्रीतम दास रहे। प्रीतम दास ने दोनों विद्यालयों में श्री राधा कृष्ण, श्री राम, श्री महादेव, रासलीला आदि पर अपनी मनमोहक प्रस्तुति अतिथियों एवं विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत की। उनके नृत्य की भाव भंगिमा ने अतिथियों एवं विद्यार्थियों का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम के मध्य में डिवाइन इंटरनेशनल अकादमी की छात्रा कुमारी पायनी जैन ने राधा कृष्ण की मनमोहक प्रस्तुति दी। नगर पालिका अध्यक्ष रंजना गुरुदत्त सिंह ने अंतरराष्ट्रीय कलाकार प्रीतम दास की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों को अपने देश की नृत्य विधाओं जैसे भरतनाट्यम,कुचिपुड़ी, कथक, ओडिसी आदि के विषय में जानकारी दी। सीओ प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि देश की संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए। जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए शब्दम संस्था की अध्यक्ष किरण बजाज, मनोज कुलश्रेष्ठ, दीपक ओहरी, मोहित जादौन, राहुल शर्मा के कार्यों की सराहना की। इस मौके पर डॉ सुखेन्द्र यादव, आदेश पोरवाल, प्रदीप जादौन, साबिर खान, ललिता वशिष्ठ मौजूद रहे।



विद्यार्थियों के मध्य भरतनाट्यम् नृत्य की कार्यशाला देते प्रीतम दास

भरतनाट्यम् प्रीतम दास – मात्र चार वर्ष की आयु से श्री प्रीतम दास, श्रीमती जयिता घोष और श्री सम्राट दत्त के संरक्षण में भारतीय शास्त्रीय नृत्य 'भरतनाट्यम्' सीखने की राह पर चल पड़े, तत्पश्चात् वे श्रीमती रमा वैद्यनाथन के पथ प्रदर्शन में आ गए और तब से भगवान नटराज को सम्पूर्ण रूप से समर्पित हो गए। इस दौरान आपने संगीताचार्य कलामंडलम् पियाल भट्टाचार्य से नाट्यशास्त्र के मूल तत्त्व सीखे।

2024

1 मई 2024 को बाँसुरी वादन शास्त्रीय संगीत एवं कार्यशाला का आयोजन 2 विद्यालयों के 600 विद्यार्थी के मध्य किया गया। बनारस घराने के **बाँसुरी** एवं **शहनाई वादक पं. राजेन्द्र प्रसन्ना एवं तबला वादक 'ललित कुमार'** तथा उनके **शिष्य 'सम्यक पारासरी'** द्वारा बाँसुरी वादन की प्रस्तुति की गयी। एस.आर.एस. मैमोरियल पब्लिक स्कूल शिकोहाबाद एवं पी.एस.ग्लोबल एकेडमी मदनपुर के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिवावकों ने बाँसुरी वादन एवं शास्त्रीय कार्यशाला का आनंद लिया।

बाँसुरी वादक पं. राजेन्द्र प्रसन्ना – ऑल इंडिया रेडियो के टॉप ग्रेड कलाकार हैं। आपको उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार – बाँसुरी और शहनाई (1995), सहारा इंडिया द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। देश के विभाजन के पश्चात् आप एक मात्र कलाकार थे जो बाँसुरी और शहनाई दोनों की प्रस्तुति देने के लिए पाकिस्तान गये। 2004 में 'कॉन्सर्ट फॉर जॉर्ज' में उनकी भागीदारी के लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग्रैमी पुरस्कार दिया गया।



बाँसुरी वादन की प्रस्तुति देते पं. राजेन्द्र प्रसन्ना



एसआरएस स्कूल में बच्चों के बीच हुआ बांसुरी वादन का आयोजन

शिकोहाबाद। दाता संदेश साहित्य, संगीत कला को समर्पित संस्था शब्दम एवं स्पिक मैके के संयुक्त तत्वावधान में एस.आर.एस. मैमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नौशहरा शिकोहाबाद में बांसुरी वादन का आयोजन किया गया। बनारस घराने के बासुरी एवं शहनाई वादक पं. राजेन्द्र प्रसन्ना एवं उनके साथी कलाकार में ललित कुमार तथा सम्यक पारासरी द्वारा बासुरी वादन की प्रस्तुति की गयी। प्रसन्ना ने विद्यार्थियों को बांसुरी वादन की प्रस्तुति के माध्यम से उन्हें अपने शास्त्रीय संगीत से जोड़ा व उन्हें इससे परिचय कराया। प्रसन्ना जी ने सारे जहां से अच्छा, हिन्दुस्ता हमारा... जैन तो तेने कहिए जे पीर पराई जाने रे..तोरे बिना मोहे चैन नहीं बृज के नंदलाला..श्याम बजाए मुरलिया... ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान प्रसन्ना श्याम की तरह मुरली बजाते जा रहे और विद्यार्थी और शिक्षकगण उनमें मंत्रमुग्ध होकर गोपियों की तरह सुनते जा रहे। कार्यक्रम में दोनों विद्यार्थीयों ने बांसुरी वादन एवं शास्त्रीय कार्यशाला का लाभ उठाया।

---

22 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2024 तक **विश्वविख्यात कथक नृत्यांगना शिप्रा जोशी** द्वारा जनपद फिरोजाबाद (उ.प्र.) के 6 विद्यालयों में लगभग 1000 विद्यार्थियों के मध्य कथक नृत्य की प्रस्तुति एवं कार्यशाला का आयोजन हुआ।

भाग लेने वाले विद्यालय–प्राथमिक विद्यालय रुधैनी अराँव, श्री रॉयल कृष्णा फाउण्डेशन पाठशाला, कम्पोजिट विद्यालय चितावली बोझिया एवं कम्पोजिट विद्यालय करहरा सिरसागंज, विश्व भारती इंटरनेशनल शिकोहाबाद एवं पालीवाल महाविद्यालय शिकोहाबाद।

कथक नृत्यांगना शिप्रा जोशी–– कथक क्षेत्र में नृत्यांगना शिप्रा जोशी की उपलब्धियाँ निम्न हैं। कथक केंद्र दिल्ली द्वारा आयोजित 'कथक यात्रा' में एकल कलाकार के रूप में प्रस्तुति, डी.पी. धर सांस्कृतिक केन्द्र मास्को (रूस) एकल प्रस्तुति, उर्दू दूरदर्शन से प्रसारित सामूहिक कथक प्रदर्शन, श्रीराम भारतीय कला केन्द्र दिल्ली में 'मधुमास वसंत' नृत्य प्रदर्शन जो आपने अपने शिष्यों के साथ किया, भारत–अरब पर्व अल्जीरिया में प्रस्तुति, भारत बांग्लादेश मैत्री समारोह मास्को में प्रस्तुति, रवीन्द्रनाथ टैगोर के 161 वें जन्मदिन पर मास्को में आयोजित समारोह में प्रस्तुति, अनेक उच्चश्रेणी के अधिकारियों और राजनयिकों की उपस्थिति में भारत के राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शन, प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना रानी खानम द्वारा स्थापित संस्थान आमद में 3 वर्ष तक वरिष्ठ कथक अध्यापिका, इत्यादि।



कथक नृत्य कार्यशाला का दृश्य



कथक की बारीकियां सिखाईं

शिकोहाबाद,हिन्दुस्तान संवाद। स्पिक मैके एवं शब्दम के संयुक्त तत्वावधान में वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को शास्त्रीय विद्याओं से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में कथक नृत्य की विधाओं से परिचित कराया।

प्रख्यात कथक कलाकार शिप्रा जोशी ने प्राथमिक विद्यालय रुधैनी अरांव, रायल कृष्णा फाउण्डेशन पाठशाला, कम्पोजिट विद्यालय चितावली बोझिया एवं कम्पोजिट विद्यालय करहरा सिरसागंज में विद्यार्थियों के मध्य कथक की प्रस्तुति दी व उनको बारीकियां भी सिखायीं।

कथक नृत्य के माध्यम से तत्कार, गुरू वंदना, गणेश वंदना, ताल झपताल दस मात्रा में निबंध तराना, ताल तीन ताल 16 मात्रा, हस्त मुद्रायें, कथक का पारम्परिक वस्तुक्रम प्रस्तुत किया।विश्व भारती इंटरनेशनल स्कूल एवं पालीवाल महाविद्यालय में कथक नृत्य प्रदर्शन एवं कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में शब्दम् एवं स्पिक मैके की तरफ से मंजर-उल वासै, पुष्कर तिवारी एवं राहुल शर्मा उपस्थित रहे।

बुधवार को शिकोहाबाद में छात्राओं को कथक करके बताती नृत्यांगना।

9 नवम्बर 2024 को 'तंत्री सम्राट' पं. सलिल भट्ट द्वारा 2 विद्यालयों के लगभग 600 विद्यार्थियों के मध्य सात्विक वीणा वादन की प्रस्तुति एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शिकोहाबाद (उ.प्र.) के ब्लूमिंग बड्स स्कूल एवं सर्वोदय स्थली वाकलपुर के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिवावकों ने सात्विक वीणा का आनंद लिया।

सात्विक वीणा वादक पं. सलिल भट्ट – पं. सलिल भट्ट पिछले 37 वर्षों से भारत के 600 शहरों और विश्व के 42 देशों में सात्विक वीणा वादन कर चुके हैं। भारत से बाहर पं. सलिल भट्ट निम्न प्रमुख देशों में भारतीय संस्कृति को पहुंचा चुके हैं, जिनमें से कुछ निम्नवत हैं।

कनाडा, जर्मनी, ताईवान, ग्रेट ब्रिटेन, अमेरिका, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत, आइसलैण्ड, आस्ट्रेलिया इत्यादि।

सलिल भट्ट जी के वादन में गायकी अंग, तंत्रकारी अंग, आधुनिक गिटार तकनीक, अविश्वसनीय गति और राग का शुद्धतम स्वरूप परिलक्षित होता है। आपको उच्च श्रेणी के लगभग बीस पुरस्कार एवं सम्मान मिल चुके हैं जिनमें 'तंत्री सम्राट' की उपाधि, राष्ट्रीय संगीत गौरव सम्मान, अभिनव कला रत्न, इंटरनेशनल अचीवर्स अवार्ड, ग्लोबल इंडियन की उपाधि, संगीत भूषण अवॉर्ड इत्यादि सम्मिलित हैं।



विद्यार्थियों के मध्य सात्विक वादन की प्रस्तुति देते सलिल भट्ट



अमर भारती

वीणा वादन सुनकर छात्र उत्साहित

शिकोहाबाद (अमर भारती)। साहित्य संगीत कला को समर्पित संस्था शब्दम एवं स्पिकमैके के संयुक्त तत्वावधान में ब्लूमिंग बड्स स्कूल, सर्वोदय स्थली बाकलपुर में सात्विक वीणा वादन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सात्विक वीणा के रचयिता, तंत्री सम्राट पं. सलिल भट्ट ने राग चारूकेशी सात्विक वीणा पर तीव्र गति की तालें तिहाई का प्रदर्शन तीव्र गति का झाला का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से सवाल जवाब किए। पंडित अभिषेक मिश्रा ने भी तबले पर संगत की। विद्यार्थियों ने खूब आनंद लिया और इसकी विधाओं का ज्ञान भी लिया। विद्यालयों के प्रबंधकगण एवं शिक्षकगण ने सात्विक वीणा व तबला वादक की खूब सराहना की। अंत में प्रबंधक राज पचैरी ने कलाकार का आभार प्रकट किया। इस दौरान सर्वोदय स्थली की प्रबंधक डॉ रजनी यादव, ब्लूमिंग बड्स की प्रधानाचार्या सुमनलता पचैरी, संजीव मिश्रा, दीपक गुप्ता, पुष्कर तिवारी, समीर विश्वास, रवि शर्मा, विजय शर्मा, मज्जल उलवासे, अरविंद तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

2025

21 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक डॉ. अविनाश कुमार द्वारा जनपद फिरोजाबाद (उ.प्र.) के 6 विद्यालयों के लगभग 1900 विद्यार्थियों के मध्य भारतीय शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति एवं कार्यशाला का आयोजन हुआ। यह तीन दिवसीय कार्यशाला अमेजिंग वर्ल्ड स्कूल सिरसागंज, बीडीएम गर्ल्स इण्टर कॉलेज शिकोहाबाद, शिव आदर्श कॉलेज पैढ़त, एस.एस.जे. कॉन्सेप्ट शिकोहाबाद, आईवी इंटरनेशनल स्कूल फिरोजाबाद एवं डिवाइन इंटरनेशनल स्कूल सिरसागंज में आयोजित की गई।

शास्त्रीय गायक डॉ. अविनाश कुमार – आपने दिल्ली विश्व विद्यालय से स्नातक–स्नातकोत्तर एम. फिल और संगीत में डॉक्टरेट किया। आपके गुरुओं में किराना, आगरा, सहसवान, घरानों से पं. तुषार दत्ता, पं. सोमनाथ मर्दुर, उस्ताद आफताब अहमद खान के अतिरिक्त श्री पूर्णचन्द्र चक्रवती और श्रीमती साधना चटर्जी रहे। आप हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक हैं और आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के 'ए' ग्रेड के कलाकार हैं। आपको मिले पुरस्कारों और सम्मानों में एम. ए. संगीत में स्वर्ण पदक, नाद निपुण सम्मान, सारस्वत सम्मान, कला साधक इत्यादि सम्मिलित हैं।



कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी



शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देते डॉ. अविनाश



गुरुवार को शिकोहाबाद में भारतीय शास्त्रीय संगीत सीखाने वाले कलाकारों को मंच से पुरस्कृत किया।

गायन कार्यशाला में छात्रों को दिए टिप्स

शिकोहाबाद। शब्दम् एवं स्पिक मैके के संयुक्त तत्वावधान मे बीडीएम इण्टर कॉलेज सहित कई विद्यालयों मे भारतीय शास्त्रीय गायन का आयोजन किया। हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक डा अविनाश कुमार ने किराना घराना शैली में ख़याल, उपशास्त्रीय एवं भजन गायन प्रस्तुत किए। बीडीएम इण्टर कालेज की छात्राओं के पाठ्यक्रम के राग वृंदावनी सारंग मे पारम्परिक बंदिश धूँधरवा मोरा बाजे सुनाया एवं सिखाया। बच्चों को प्रारंभिक एवं विलम्ट अलंकार को सीखा कर अभ्यास करवाया। मौसमी राग मेघ में एक पारम्परिक रचना घन घनन घनन घनघोर से समाप्त किया। कार्यक्रम मे मंजर उल वासी, डा. समीर विश्वास, अंशुल खंडेलवाल, रूचि खण्डेलवाल, ललिता वशिष्ट, अश्वनी कुमार जैन, रवी फरसैया, सत्यदेव गुप्ता, महेश मित्तल, सुशलिया परवीन, वरुण गौड़, नीरा माथुर, मीना रानी आदि रहे।

07 मई से 09 मई 2025 तक स्पिक मैके एवं शब्दम् के संयुक्त तत्त्वावधान में **सुप्रसिद्ध ओडिसी कलाकार गीतांजलि आचार्य** द्वारा जनपद फिरोजाबाद (उ.प्र.) के छः विद्यालयों के लगभग 1900 विद्यार्थियों के मध्य ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति एवं कार्यशाला का आयोजन हुआ। गीताजंलि आचार्य ने गुरुनानक पब्लिक स्कूल, शिवओम पब्लिक स्कूल, विशुद्ध इंटरनेशनल स्कूल, ज्ञान सरोवर इंटर कॉलेज, उच्च प्राथमिक विद्यालय दखिनारा एवं लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल में ओड़िसी नृत्य के माध्यम से नवरस के अंतर्गत शृंगार हास्य, करूणा, रौद्र, वीर, वीभत्स, अद्भुत, भयानक, शांत एवं बालकृष्ण लीला की प्रस्तुति दी और विद्यार्थियों को उसकी बारीकियाँ बताई।

गीतांजलि आचार्य – गीतांजलि आचार्य, भारत की ओडिसी नृत्य की एक शीर्षस्थ कलाकार हैं। यह उनकी अपनी मेहनत, प्रतिभा और अपने आप पर आत्मविश्वास का फल है कि आज वे ओडिसी नृत्य की कलाकार और नृत्य निर्देशिका भी हैं। गीतांजलि आचार्य, प्रख्यात गुरु केलुचरण महापात्र और रतिकांत महापात्र की शिष्या हैं। आपने ओडिशा संगीत नाटक अकादमी से 'नृत्य–शास्त्री' पूर्ण किया है। एक उत्तम गुरु के रूप में, वे बहुत से शिष्य–शिष्याओं को ओडिसी में प्रशिक्षित कर रही हैं।

आपकी विशेष उपलब्धियों में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति 2004, नाट्यश्री 2010, ओडिसी ज्योति 2010, ग्रेड आर्टिस्ट 2010, ICCR Performer cum teacher 2018-2020, South Korea. Jury member and Judge - 2020, South Korea. गुरु केलुचरन महापात्र द्वारा युवा प्रतिभा सम्मान – 2022. सत्यभामा सर्वोत्तम पुरस्कार – 2022. कला गौरव सम्मान – 2022 आपको भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से ओडिसी नृत्य के लिए नेशनल स्कालरशिप भी मिल चुका है।


अमर भारती

गीतांजलि आचार्य ने सात सौ विद्यार्थियों को ओडिसी नृत्य सिखाया


शब्दम् और स्पिक मैके ने विद्यालयों में बच्चों के मध्य कराया ओडिसी नृत्य

गीतांजली आचार्य ने बच्चों को सिखाये नृत्य के तरीके


कथक की प्रस्तुति देतीं गीतांजलि आचार्य


कथक कार्यशाला में कलाकार के साथ अभ्यास करते विद्यार्थी

उत्तर प्रदेश संस्कृति मंत्रालय, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, स्पिक मैके एवं शब्दम् के संयुक्त तत्त्वावधान में 10 एवं 11 अक्टूबर 2025 को मोहन वीणा एवं विश्व वीणा के रचयिता, ग्रैमी पुरस्कार विजेता, पद्मभूषण पं. विश्व मोहन भट्ट द्वारा उत्तर प्रदेश, जिला फिरोजाबाद के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय गुरैया सोयलपुर, पालीवाल महाविद्यालय, ज्ञानदीप सीनियर सेकेण्डरी स्कूल एवं यंग स्कालर्स एकेडमी शिकोहाबाद में मोहन वीणा प्रस्तुति का आयोजन किया गया।

ग्रैमी अवार्ड विजेता पदम्भूषण पं. विश्व मोहन भट्ट– पद्म भूषण पं. विश्व मोहन भट्ट एक ऐसे अद्वितीय कलाकार हैं जिन्होंने **'मोहन वीणा'** एवं **'विश्व वीणा'** का सृजन किया, वर्ष 1994 में भारत के लिये विश्व का सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैमी अवार्ड' जीतकर भारत एवं भारतीय संगीत को विश्व में शीर्षस्थ स्थान दिलाया। पं. भट्ट विश्व के 85 देशों में भारतीय शास्त्रीय संगीत को प्रचारित–प्रसारित कर लोकप्रिय बना चुके हैं।



मोहन वीणा पर प्रस्तुति देते विश्व मोहन भट्ट


गूंजे मोहन वीणा के सुर, ग्रैमी विजेता पं. विश्वमोहन भट्ट ने विद्यार्थियों को शास्त्रीय संगीत से जोड़ा

पद्मभूषण, पद्मश्री, राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी अवार्ड, राष्ट्रीय तानसेन संगीत सम्मान, अमरीका, कनाडा इत्यादि देशों की मानद नागरिकता प्राप्त पं. विश्व मोहन भट्ट आज के समय के व्यस्ततम कलाकारों में से एक हैं। वर्ष 1994 में विश्व के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैमी अवार्ड' को भारतवर्ष में लोकप्रिय बनाने का श्रेय भी इस विलक्षण कलाकार को जाता है।



शास्त्रीय संगीत की सुरमयी छांव में नहाया यंग स्कॉलर एकेडमी

फिरोजाबाद(सच कहूँ न्यूज)। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय एवं स्पिक मैके के संयुक्त तत्वावधान में यंग स्कॉलर एकेडमी के सभागार में शनिवार को एक विशेष शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध संगीत संस्था ह्यशब्दमह्न का विशेष सहयोग रहा। समारोह में भारतीय शास्त्रीय संगीत की विविध राग-रागिनियों की प्रस्तुति ने बच्चों सहित उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई, जिसमें मोहन वीणा के जनक व पद्मभूषण से सम्मानित पंडित विश्वमोहन भट्ट, पं. सलिल भट्ट, हिमांशु महंत, स्पिक मैके

फिरोजाबाद चैप्टर से सुश्री राजश्री, शिकोहाबाद से मनोज कुलश्रेष्ठ, विद्यालय के प्रबंधक डॉ. संजीव आहूजा, निर्देशिका ईशा आहूजा एवं प्रधानाचार्य संदीप कुमार सम्मिलित हुए। पंडित विश्वमोहन भट्ट द्वारा प्रस्तुत राग-रागिनियों के अद्वितीय वादन ने सभागार में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तालियों की गूंज से पूरा वातावरण सुरमय हो उठा। कार्यक्रम में पं. सलिल भट्ट ने शास्त्रीय संगीत की विभिन्न शैलियों व रचनाओं पर विस्तार से जानकारी दी, जिससे छात्र वर्ग को भारतीय संगीत की गहराई को समझने का सुअवसर प्राप्त हुआ।समारोह के अंत में विद्यालय के प्रबंधक डॉ. संजीव आहूजा ने कलाकारों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे विद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि विश्वविख्यात कलाकार पंडित विश्वमोहन भट्ट का सान्निध्य हमें प्राप्त हुआ। उन्होंने हमारे विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक से रूबरू कराया। निर्देशिका ईशा आहूजा ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं।कार्यक्रम के सफल संचालन की जिम्मेदारी सौमा मिश्रा ने निभाई। समस्त आयोजन में विद्यालय के शिक्षकगण का सहयोग सराहनीय रहा।



कार्यशाला में प्रतिभागी विद्यार्थी

उत्तर प्रदेश संस्कृति मंत्रालय, भातखण्ड़े संस्कृति विश्वविद्यालय, स्पिक मैके एवं शब्दम् के संयुक्त तत्वावधान में 29 अक्टूबर एवं 01 नवम्बर 2025 को युवा संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से सम्मानित **भारतीय शास्त्रीय गायक गौतम काले** जी द्वारा उ.प्र. के अंतर्गत जिला फिरोजाबाद के पी.एस. ग्लोबल एकेड़मी, राज कान्वेंट पब्लिक स्कूल, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरमुरा एवं एस.आर.एस. मैमोरिलय पब्लिक स्कूल शिकोहाबाद में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भारतीय शास्त्रीय संगीत गायक पंडित गौतम काले – आप संगीत मार्तण्ड पद्मविभूषण पं. जसराज जी के शिष्य हैं।

पुरस्कार एवं सम्मानः 1.संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ युवा पुरस्कार तथा आकाशवाणी (All India Radio) के ग्रेड 'A' कलाकार। 2. पं. मनमोहन भट्ट स्मृति सम्मान –पद्मभूषण, ग्रैमी अवार्ड विजेता पं. विश्वमोहन भट्ट जी द्वारा प्रदत्त। 3. माँ शारदा सम्मान, अजमेर। 4. यूथ आइकन अवार्ड। 5. स्वच्छ भारत अभियान, इंदौर के ब्रांड एंबेसडर।



कार्यशाला में प्रतिभागी विद्यार्थी



शास्त्रीय संगीत गायक पंडित गौतम काले की प्रस्तुति

शास्त्रीय गायन कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सीखी संगीत की बारीकियां

- स्पिक मैके और शब्दम के संयुक्त तत्वावधान में पी.एस. ग्लोबल एकेडमी और राज कान्वेंट पब्लिक स्कूल में हुआ कार्यक्रम



शिकोहाबाद(सच कहूँ न्यूज)। उ.प्र. संस्कृति मंत्रालय एवं साहित्य-संगीत-कला संस्था शब्दम्और स्पिक मैके के संयुक्त तत्वावधान में पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, मदनपुर और राज कान्वेंट पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद में विद्यार्थियों के मध्य भारतीय शास्त्रीय गायन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य वर्तमान और भावी पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की विविध कलाओं और संस्कृति से जोड़ना और उन्हें कलाकारों से रूबरू कराना था। कार्यशाला में युवा संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से सम्मानित शास्त्रीय गायक गौतम काले ने राग अहीर भैरव, छोटा ख्याल, भजन और राग जोग, राग यमन, राग भैरव के स्वरों के माध्यम से विद्यार्थियों को संगीत की बारीकियां समझाईं और उनका अभ्यास कराया।

तबला पर हिमांशु महंत और हारमोनियम पर विकास चौहान ने उनका साथ दिया। इस दौरान राज कान्वेंट इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकिशोर यादव , शिक्षकगण पंकज, सोनू, योगेन्द्र, अनिल, सिखा उपाध्याय, कृतिका सिंह, रूबी गुप्ता, सुमित कुमार, चन्द्रकांत यादव, योगेश कुमार, प्रभा चौधरी, मंजु महाजन, जितेन्द्र कुमार, राजेन्द्र सिंह, सचिन कुमार, सौरभ कुमार और धमेन्द्र कुमार मौजूद रहे। वहीं, स्पिक मैके चेप्टर शिकोहाबाद से मनोज कुलश्रेष्ठ और संतोष कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि इस स्तर की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों में शास्त्रीय संगीत के प्रति रुचि बढ़ती है और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने में मदद मिलती है।

उ.मा.वि. में शास्त्रीय गायन कार्यशाला



शिकोहाबाद(सच कहूँ न्यूज) । उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरमुरा में शनिवार कोशास्त्रीय गायन कार्यशाला का आयोजन किया। उत्तर प्रदेश संस्कृति भतखण्डे संस्कृत विश्वविद्यालय, स्पिक मैके एवं साहित्य संगीत कला को समर्पित संस्था शब्दम के संयुक्त तत्वाधान में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरमुरा में भारतीय शास्त्री गायन कार्यशाला का आयोजन हुआ। युवा संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से सम्मानित भारतीय शास्त्रीय गायक गौतम कालेजी ने गायन किया। उन्होने शास्त्रीय गायन विद्या, भजन राज जोग राग भैरव का संगीत सुनाया। तबला पर उनके साथ हिमांशु एवं हारमोनियम पर विकास चौहान ने संगत दी। पंडित गौतम कालेजी के शास्त्री गायन से छात्र-छात्राये मंत्रमुक्त हो गए। उन्होंने छात्र-छात्राओं से प्रश्न भी पूछे तथा उनका उत्तर भी बताया । विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सहदेव सिंह चौहान ने समस्त आगंतुकों का माला एवं पटका पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर पुष्कर तिवारी, डॉ सहदेव सिंह चौहान, अतर सिंह, संतोष कुमार, राजेश कुमार, सुनील कुमार, योगेंद्र कुमार बघेल, जितेंद्र कुमार, रावली देवी, नूरजहा, राखी माथुर आदि मौजूद रहे।अंत में प्रधानाचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

प्रमुख प्रस्तुतियाँः

1. संकटमोचन संगीत महोत्सव। 2. सप्तक संगीत समारोह, अहमदाबाद। 3. पं. जितेंद्र अभिषेकी संगीत समारोह, गोवा।

कार्य एवं योगदानः गौतम काले जी संगीत गुरुकुल, इंदौर में भारतीय शास्त्रीय संगीत की अमूल्य परंपरा को समर्पित भाव से आगे बढ़ा रहे हैं तथा विद्यार्थियों को संगीत साधना का ज्ञान प्रदान कर रहे हैं।

7 जनवरी, 2026

जानकीदेवी बजाज जयंती के अवसर पर शब्दम् शिकोहाबाद (उ.प्र.) स्थित **'जानकीदेवी आंवला वाटिका'** में उनके चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर, पंच महाभूतों के पूजन के साथ पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को जानकीदेवी बजाज के जीवन से जुड़े महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं के बारे में जानकारी दी गई।

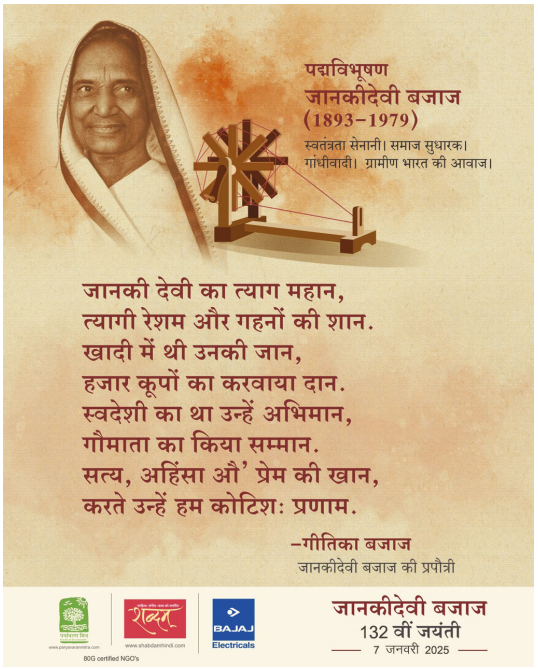

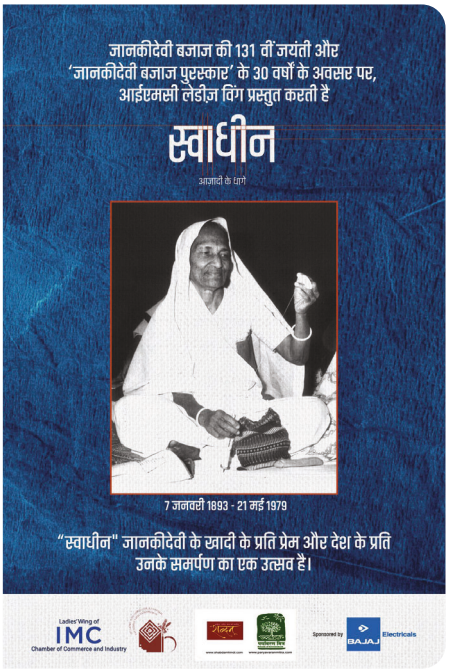

मुंबई, 7 जनवरी 2026 को 32वें आईएमसी लेडीज विंग जानकीदेवी बजाज पुरस्कार–2025 से निकिता नवलेकर को सम्मानित किया गया।

निकिता नवलेकर 'आँगन ऑफ कच्छ' की संस्थापक हैं, जो एक शिल्प–प्रेरित उद्यम है। इसकी स्थापना 2005 में एक स्पष्ट उद्देश्य के साथ की गई थी कच्छ की समृद्ध कढ़ाई परंपराओं को संरक्षित करते हुए ग्रामीण महिलाओं के लिए सम्मानजनक, स्थायी आजीविका के अवसरों का सृजन करना। भुज में मात्र 250 वर्ग फुट के एक साधारण स्थान से शुरुआत करते हुए, उन्होंने 'आँगन ऑफ कच्छ' का निर्माण महिला कारीगरों के साथ सीधे काम करके, बिचौलियों को समाप्त करते हुए, और निष्पक्ष एवं पारदर्शी पारिश्रमिक सुनिश्चित करते हुए किया।



अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण और गहन जमीनी स्तर के जुड़ाव के माध्यम से, निकिता ने 500 से अधिक महिला कारीगरों को सशक्त बनाया है, जिससे वे अपने घर से ही पैसे कमाने में सक्षम बनीं हैं, उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता हासिल की है और उन्हें अपने विरासत में मिले कौशल पर गर्व महसूस होता है।

आज, 'आँगन ऑफ कच्छ' चार विशेष खुदरा स्टोर स्टोर संचालित करता है और प्रामाणिक हस्तनिर्मित वस्त्रों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ता है। यह उद्देश्य–संचालित उद्यमिता के एक सशक्त उदाहरण के रूप में हमारे सामने खड़ा है, जिसमें विरासत, दृढ़ता और सामाजिक प्रभाव समाहित हैं।

श्रीमती निकिता नवलेकर– आँगन ऑफ कच्छ, भुज, गुजरात की संस्थापिका, मुख्य अतिथि प्रो. श्री एस. पी. सिंह बाघेल– माननीय राज्य मंत्री– मत्स्यपालन, पशुपालन, डेयरी तथा पंचायती राज, भारत सरकार एवं सम्माननीय अतिथि श्रीमती रत्ना पाठक शाह– अभिनेत्री एवं निर्देशिका के कर–कमलों से 32वाँ आईएमसी लेडीज़ विंग जानकी देवी बजाज पुरस्कार 2025 प्राप्त करते हुए. (बाएँ से दाएँ) श्रीमती राज्यलक्ष्मी राव– अध्यक्ष, आईएमसी लेडीज़ विंग, श्रीमती रत्ना पाठक शाह, श्रीमती निकिता नवलेकर, प्रो. श्री एस. पी. सिंह बाघेल, एवं राधिका नाथ, अध्यक्ष – जेबीपी समिति।

जमनालाल बजाज जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश स्थित शिकोहाबाद जमनालाल अरण्य में प्रतिवर्ष कार्यक्रम आयोजित कर, उनके जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा, गौसेवा, दान एवं पौधारोपण किया जाता है। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को पूज्य जमनालाल बजाज जी के जीवन से जुड़े विचारों से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिलती है।

2022

सन् 2022 में इस अवसर पर ईसन फाउण्डेशन एवं शब्दम् के संयुक्त तत्त्वावधान में मैनपुरी (उ.प्र.) में भी एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में समाजसेवियों, शिक्षकों विद्धतजन, गण्यमान्य नागरिकों के साथ जमनालाल बजाज के विचारों पर एक गोष्ठी का आयोजन हुआ।



मैनपुरी में आयोजित कार्यक्रम का दृश्य

2025

मुंबई, वर्ष 2025 में जमनालाल बजाज पुरस्कार श्री हसमुख बाबू भाई पटेल को उनके रचनात्मक कार्यों, श्री पी.एम. मुरुगेसन उनके ग्रामीण विकास में विज्ञान और प्रौधौगिकी के अनुप्रयोग के लिए, सुश्री सेकाचेवा ल्यूडमिला लियोनिदोवना को गांधीवादी मूल्यों को भारत के वाहर बढ़ावा देने के लिए, श्रीमती त्रिवेणी आचार्य को महिलाओं और बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनके समर्पित भाव के लिए दिया गया। इस आयोजन में परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



(बाएँ से दाएँ) हसमुख बाबूभाई पटेल, त्रिवेणी आचार्य, मुख्य अतिथि परमपूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज (प्रेसिडेंट एण्ड़ स्पिरिचुअल हेड परमार्थ निकेतन आश्रम), शेखर बजाज (चेयरमैन जमनालाल बजाज फाउण्डेशन) सेकाचेवा ल्यूडमिला लियोनिदोवना एवं पी.एम. मुरुगेसन

विंग्स ऑफ होप : कला के माध्यम से एक श्रद्धांजलि



विंग्स ऑफ होप कलाकार गीतिका बजाज की एक एकल चित्रकला प्रदर्शनी थी। गीतिका, किरण और शेखर बजाज की पुत्री हैं। यह प्रदर्शनी 23 से 29 नवंबर 2025 के दौरान मुंबई की कमलनयन बजाज आर्ट गैलरी में आयोजित की गई।

यह प्रदर्शनी उनकी प्रिय चचेरी बहन सुनैना केजरीवाल (1971–2024) की स्मृति को समर्पित थी और ग्यारह वर्षों बाद गीतिका की गैलरी में वापसी को दर्शाती है।

मुंबई में पली–बढ़ी गीतिका ने टेक्सटाइल डिजाइन और ललित कला का अध्ययन किया है और इससे पहले तीन एकल प्रदर्शनियाँ कर चुकी हैं। विंग्स ऑफ होप में उनकी कला आशा और आत्मबल की भावना को व्यक्त करती है। तितली का रूपांकन परिवर्तन, सौंदर्य और आंतरिक शक्ति का प्रतीक रहा।

कलाकृतियों में मिश्रित मध्यम, हल्के रंग और कोमल बनावट दिखाई दी, जो दर्शकों को शांति और आत्मचिंतन का अनुभव कराती है। इस प्रदर्शनी में गीतिका का मार्गदर्शन उनकी कला गुरु शिल्पा वेलकर ने किया। प्रदर्शनी में 300 से अधिक दर्शक आए ।

कुल मिलाकर, विंग्स ऑफ होप एक संवेदनशील और भावपूर्ण प्रस्तुति रही, जिसने सुनैना की स्मृति को सम्मान दिया और यह दर्शाया कि कला में उपचार और आशा की शक्ति होती है।







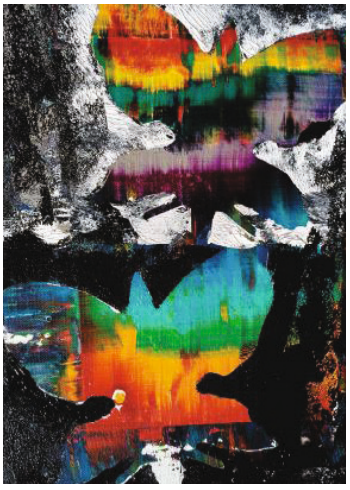





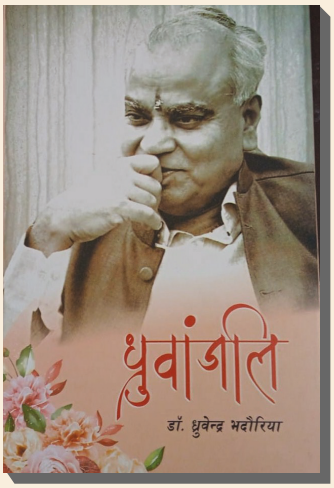

डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया
पुस्तक – ध्रुवांजलि

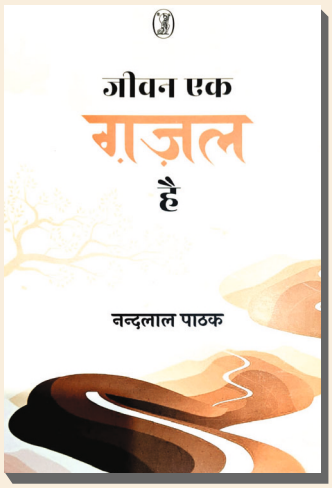

प्रो. नंदलाल पाठक
शब्दम् उपाध्यक्ष पुस्तक –
जीवन एक ग़ज़ल है।

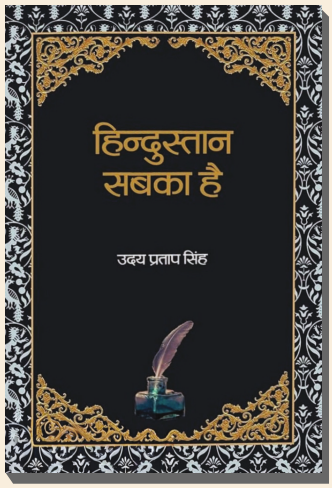

श्री उदयप्रताप सिंह
शब्दम् उपाध्यक्ष पुस्तक –
हिन्दुस्तान सबका है।

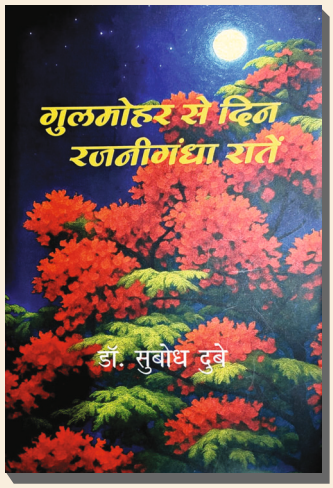

डॉ. सुबोध दुबे
पुस्तक – गुलमोहर से दिन,
रजनीगंधा रातें

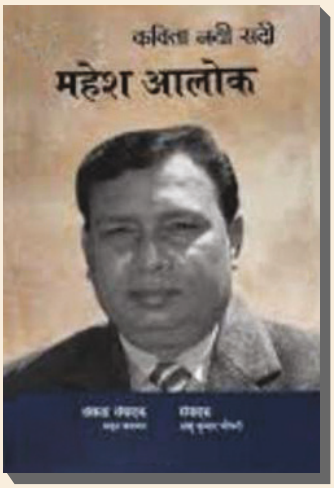

पुस्तक –
कविता नई सदी

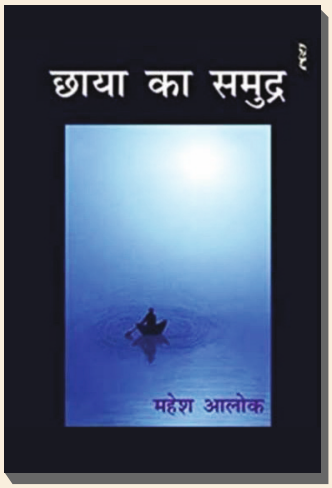

डॉ. महेश आलोक
पुस्तक – छाया का समुद्र

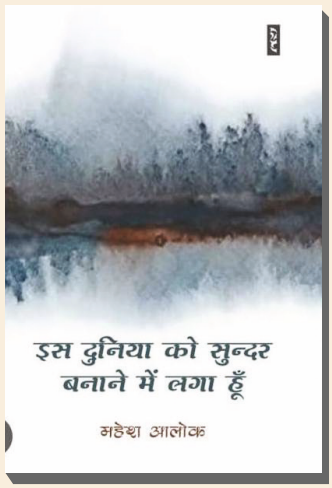

पुस्तक – इस दुनियाँ को
सुंदर बनाने में लगा हूँ

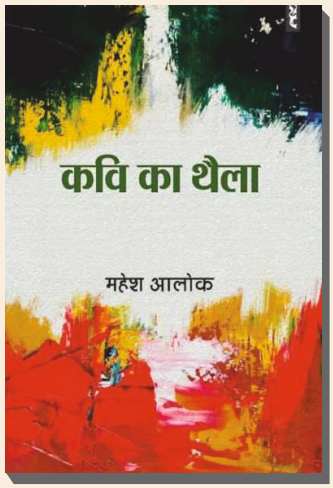

पुस्तक –
कवि का थैला

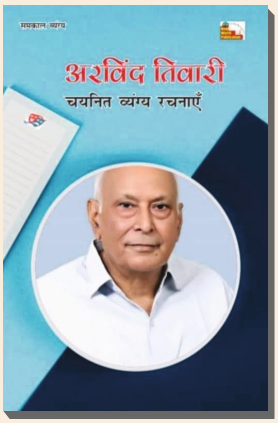

अरविन्द तिवारी
पुस्तक – चयनित व्यंग्य



अरविन्द तिवारी
पुस्तक – एक दिन
का थानेदार

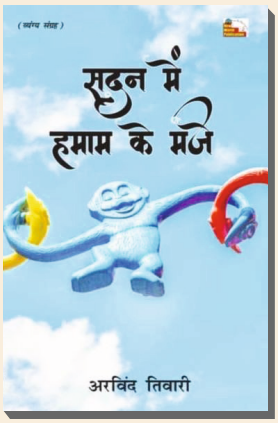

अरविन्द तिवारी
पुस्तक – सदन में
हमाम के मजे

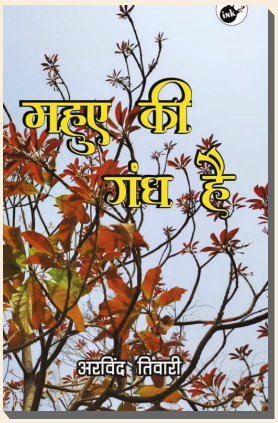

अरविन्द तिवारी
पुस्तक – गीत संग्रह
महुए की गंध है



अरविन्द तिवारी
पुस्तक – लोकतंत्र से
टपकता हुआ लोक

प्रो. नंदलाल पाठक

25 अक्टूबर 2025 को वर्ली, मुम्बई में साहित्यायन फाउंडेशन की अध्यक्ष राजश्री बिरला द्वारा 'नंदलाल पाठक प्रतिभा पुरस्कार रू. 1 लाख' एवं 'नंदलाल पाठक साहित्य सम्मान रू. 5 लाख' प्रारम्भ किया गया। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष शब्दम् उपाध्यक्ष प्रो. नंदलाल पाठक के सम्मान में साहित्यकारों को दिया जाएगा। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री दीक्षित दनकौरी एवं श्री अभिषेक कुमार सिंह को दिया गया। इस अवसर पर प्रो. नंदलाल पाठक जी की पुस्तक 'जीवन एक ग़ज़ल है' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुधांशु त्रिवेदी (सांसद) रहे।

डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया

मुमुक्षु साहित्य सम्मान, शाहजहांपुर, यह सम्मान मुमुक्षु शिक्षा संकुल शाहजहांपुर द्वारा सकारात्मक साहित्य सृजन के लिए दिया गया।



प्रशस्ति सम्मान

शहीदों के लिए मौलिक काव्य लेखन के लिए प्रशस्ति संस्था लखनऊ द्वारा दिया गया।





9 जुलाई 2025

ब्रज गौरव सम्मान एटा।

गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र गीता काव्य सृजन सम्मान 2024 में

गीता जयंती के अवसर पर मिला।





श्री मंज़र–उल वासै

डॉ. मिथिलेश दीक्षित एवं अन्य श्री मंज़र–उल वासै को 'सेवा रत्न'से सम्मानित करते हुए।



डॉ. सुबोध दुबे

21 दिसम्बर 2025 को डॉ. सुबोध दुबे को मैनपुरी के प्रतिष्ठित स्कूल 'सेंट मेरीज़' द्वारा 'हिन्दी साहित्य सेवा सम्मान' से विभूषित किया गया।

श्री अरविन्द तिवारी

अक्टूबर 2023 में कभीकवि ग्रुप की संस्था ने शब्दम् सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य अरविन्द तिवारी को ग्यारह हजार रुपयों का **'कभीकवि काव्य ऋषि सम्मान 2023'** हिंदी संस्थान लखनऊ के सभागार में प्रदान किया। शब्दम् सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य अरविन्द तिवारी को 9 मई 2024 को 31 हजार रुपयों का व्यंग्य यात्रा रवींद्र नाथ त्यागी स्मृति शीर्ष सम्मान नई दिल्ली के हिंदी भवन में दिया गया। शब्दम् सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष आदरणीय मुकुल उपाध्याय इस अवसर पर उपस्थित रहे।

20 फरवरी 2025 को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में शब्दम् सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य और देश के प्रसिद्ध व्यंग्यकार अरविंद तिवारी को साहित्य मंडल नाथद्वारा (राजस्थान) का हिंदी साहित्य शिरोमणि सम्मान दिया गया। अरविंद तिवारी को प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र, श्रीफल के साथ धनराशि का चेक भी प्रदान किया गया। यह सम्मान नाथद्वारा में देश के जाने माने साहित्यकारों के बीच उन्हें प्रदान किया गया।



हिंदी भवन नई दिल्ली में व्यंग्यश्री सम्मान प्राप्तः करते हुए

अरविंद को मिला हिंदी साहित्य शिरोमणि सम्मान

शिकोहाबाद। प्रसिद्ध व्यंग्यकार अरविंद तिवारी को साहित्य मंडल नायद्वारा का हिन्दी साहित्य शिरोमणि सम्मान दिया गया। राजस्थान के नायद्वारा में आयोजित कार्यक्रम में अरविंद तिवारी को प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र, श्रीफल के साथ सम्मान राशि का चेक भी दिया। साहित्य मंडल नायद्वारा ने उन्हें दूसरी बार सम्मानित किया है। अब तक व्यंग्यकार की 23 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। जिनके लिए उन्हें कई सम्मान मिल चुके हैं। इस अवसर पर नगर के साहित्य प्रेमियों



राजस्थान के नायबदारा में शिरोमणि सम्मान के व्यंग्यकार को सम्मानित करते हुए साहित्य आयोजक। ● हिन्दुस्तान

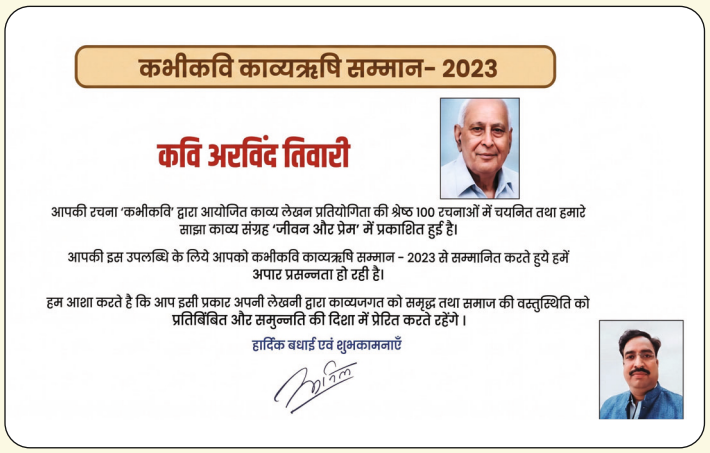

श्री हिंदी पुस्तकालय डीग (राजस्थान) के 99वें स्थापना दिवस समारोह 27 जुलाई 2025 को डीग पुस्तकालय के सभागार में अरविंद तिवारी को श्रीमती सरोज कुमारी केदार नाथ माहेश्वरी हिंदी व्यंग्य पुरस्कार से समादृत किया गया। जिसमें ग्यारह हजार रूपये नकद, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र एवं पीतल के गाय बछड़े की प्रतिमा प्रदान की गई। यह अखिल भारतीय स्तर का पुरस्कार बहुत महत्त्वपूर्ण है।

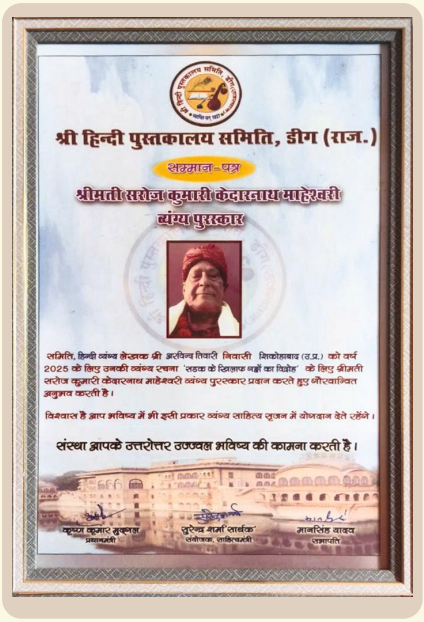



.....स्मृति शेष : मंज़र–उल वासै.....

श्री मंज़र–उल वासै जी (15 जनवरी 1940 – 08 अप्रैल 2026)

हिन्दी भाषा – लिपि के तद्भव रूपों के अध्येता – उपासक बहुजन हिताय–बहुजन सुखाय के सगुण–साकार रूप।

निदा फ़ाज़ली ने कहा है: 'वक्त के साथ है मिट्टी का सफर सदियों से किसको मालूम है, कहाँ के हैं, किधर के हम हैं'

हिंदी व्याकरण में निष्णात मंज़र साहब का जन्म शिकोहाबाद के पास धातरी गांव में हुआ था। इनके पिता ब्रज भाषा के कवि थे। इनकी शिक्षा दीक्षा शिकोहाबाद में हुई। मंज़र साहब अपने पिता की तरह, गद्य या पद्य में रचनाएँ नहीं लिखते थे, पर उनका पूरा व्यक्तित्व रचनात्मक था! वह हिंदी वर्तनी को शुद्ध लिखने के हिमायती थे। कोई अशुद्ध लिखे, यह उन्हें बर्दाश्त नहीं होता था।

मंज़र साहब के नाम से प्रसिद्ध मंज़र–उल वासै हिंदी और उर्दू के उद्भट विद्वान थे। हिन्द लैम्प्स शिकोहाबाद में साहित्यिक–सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रारम्भ से ही आते रहे हैं। सन् 2004 में 'शब्दम्' की स्थापना, शिकोहाबाद में की गई तो मंज़र जी शीघ्र ही उससे जुड़ गये।

वह सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय थे। उनके पास कवियों की पांडुलिपियाँ, वर्तनी सुधार के लिए आती थीं। वह पुस्तकों की समीक्षा भी करते थे। उनके जैसा प्रूफ रीडर बड़े–बड़े प्रकाशकों के पास भी नहीं है।

मंज़र साहब दो बातों से अपने को गौरवान्वित महसूस करते थे। एक तो रामायण के विभिन्न ग्रन्थ, जो उनके पास थे, जिनका अध्ययन उन्होंने किया था। दूसरे उनके पास तरह–तरह के शब्दकोश थे, जो विरासत के रूप में वह छोड़ गए हैं। अपनी 86 वर्ष की उम्र को भी वह उपलब्धि की तरह ही देखते थे। इस उम्र में भी वह बीमारियों से दूर थे। कहीं भी आलथी–पालथी मारकर बैठ सकते थे। घंटों तक खड़े रह सकते थे। उनके अच्छे स्वास्थ्य को देखकर कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था, वह इतनी जल्दी चले जाएंगे। उनका सरल स्वभाव ही उन्हें विशिष्ट बनाता था।

शब्दम् अपने ध्येय के अनुरूप, साहित्य–संगीत–कला और हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए नित–नूतन–नवीन कार्यक्रमों का आयोजन करने लगा। इसी सूची में 'हिन्दी प्रश्नमंच' भी जुड़ा। कालांतर में, मंज़र जी ने इसके संचालन का दायित्व पूर्णतः अपने ऊपर ले लिया और उसे 15 वर्ष बखूबी निभाया।

प्रश्नमंच और मंज़र साहब एक दूसरे के पर्याय बन गए थे। शिक्षा जगत में शब्दम् हिन्दी प्रश्नमंच के जरिए उन्हें फिरोजाबाद जिले में ही नहीं, आस–पास के जिलों में भी खूब ख्याति मिली। शब्दम् सलाहकार समिति में उनके सुझावों को सभी गंभीरता से लेते थे।

शब्दम् की अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, 'मंज़र साहब को जो काम शब्दम् ने सौंपा, उसे उन्होंने निष्ठापूर्वक संपन्न किया। उन्होंने किसी



काम के लिए कभी भी इनकार नहीं किया। उनकी मिलन सारिता शब्दम् के बहुत काम आई।' शब्दम् के प्रति उनका समर्पण भाव संस्था कभी भी नहीं भूलेगी।

वह शब्दम् के साथ ही 'पर्यावरण मित्र' की उन्नति के लिए हमेशा सक्रिय रहते थे। 'स्पिक मैके' के कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय सहभागिता महत्वपूर्ण थी। वह शब्दम् सलाहकार समिति के सभी सदस्यों के प्रिय मित्र थे। वह बेहद भावुक व्यक्ति थे।

उनके जाने से मुनव्वर राणा की पंक्तियाँ प्रासंगिक हो उठी हैं– 'वह तो बता रहा था कई रोज का सफ़र, मुसाफिर जो जंजीर खींचकर उतर गया।'

उनके निधन से जो स्थान रिक्त हुआ उसे नहीं भरा जा सकता। अकबर इलाहाबादी ने कहा है,

'कद्रदानों की कमी नहीं अकबर करे तो कोई कमाल पैदा'

उन्होंने लोटस अस्पताल जाते समय एम्बूलेंस से अपने आखिरी मैसेज में लिखा...

''दीपक जी हृदय रोग के इलाज के लिए लोटस अस्पताल आगरा जा रहा हूँ। ईश्वर ने चाहा तो फिर मिलेंगे। तीनों संस्थानों के मित्रों से मुझ से जो भी अपराध हुए हों, उनके लिए क्षमा याचना करता हूँ। किरण बजाज दीदी का बहुत कृतज्ञ हूँ। आप सबका भी।'' मज़र–उल वासै

मंज़र जी का जाना शब्दम् की व्यक्तिगत क्षति है ही। उनके अवसान ने हिन्द–उर्दू जगत के, भाषा–व्याकरण के एक अनूठे–अपने ढंग के अनुपम शिल्पी को खो दिया है ।

हम सब शब्दम् परिवार की ओर से, समस्त हिन्दी प्रेमियों की ओर से, मंज़र जी को भावभीनी, श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

प्रो. नंदलाल पाठक की ग़ज़लें

सपने सजा रहा था कि यौवन गुज़र गया।
जागा तो देखता हूँ कि जीवन गुज़र गया।।

कल तितलियाँ दिखीं तो मेरे हाथ बढ़ गए।
मुझको गुमान था मेरा बचपन गुज़र गया।।

मल्हार के सुर कंठ से फूटे भी नहीं थे।
मुश्किल से मिले साज़ कि सावन गुज़र गया।।

औरों से और आगे निकलने की फ़िक्र में।
मुझको ही रौंदकर मेरा वाहन गुज़र गया।।

मन में छिपी हुई है हवस कीर्ति की अभी।
हाँ कामिनी गुज़र गई, कंचन गुज़र गया।।

जीवन के कुरुक्षेत्र में मैं सारथी हूँ आज।
वह रास की लीला गई मधुबन गुज़र गया।

लाता कहाँ से फूल, नदी, चाँदनी, बहार।
रोटी जुटा रहा था कि वेतन गुज़र गया।।

– जहाँ पतझर नहीं होता : संग्रह से

प्रश्न से भागा तो उत्तर खो गया,
ज्योतिषी के घर मुक़द्दर खो गया।

तेरे घर आया था मत्था टेकने,
जाने किस दर पर मेरा सर खो गया।

गढ़ लिया पत्थर में मैंने देवता,
देवता बनते ही पत्थर खो गया।

डर के मारे भागता फिरता था मैं,
डर से जब आँखें मिलीं डर खो गया।

अब हैं रिश्तों की दुकानें घर में भी
घर हुए बाजार हैं घर खो गया।

बूँद बढ़कर महासागर से मिली,
बूँद में ही महासागर खो गया।

– ग़ज़लों ने लिखा मुझको : संग्रह से

ये सच है मैं पुराने खंडहर में हूँ
मुझे संतोष है, मैं अपने घर में हूँ।

सतत संघर्ष है जीवन जगत का
भले घर में हूँ बैठा, मैं सफ़र में हूँ।

ये मत समझो कि कोने में पड़ा हूँ
दिखाई दे रहा है विश्व भर में हूँ।

अकेले की यहाँ है भीड़ भारी
परायों से भरे अपने नगर में हूँ।

चुनौती दे रहीं हैं मुझको लहरें
किनारे पर खड़ा हूँ पर भँवर में हूँ।

मैं पंछी क़ैद पिंजरे का नहीं हूँ
खुला आकाश है मैं चर अचर में हूँ।

– जीवन एक ग़ज़ल है : संग्रह से

क्यों अहम है कविता ?

कविता इतिहास से बढ़कर सत्य के अधिक निकट है।
– प्लेटो

कविता वह गहरी सुरंग है जिसके अंदर व्यक्ति एक संसार को त्याग कर दूसरे संसार में प्रवेश करता है।
– रामधारी सिंह

कविता केवल शब्दों की जादूगरी नहीं बल्कि समाज और समय से जुड़कर अपनी सार्थकता प्राप्त करती है।
– नामवर सिंह

कविता मनुष्यता की मातृभाषा है।
– मैनेजर पाण्डेय

कविता शक्तिशाली भावनाओं का सहज प्रवाह है।
– विलियम वर्ड्सवर्थ

कविता वह चीज है जो अनकहे को भी कह जाती है।
– रॉबर्ट फॉस्ट

अपनी एक मूर्ति बनाता हूँ
और ढहाता हूँ
और आप कहते हैं कि
कविता की है।
–रघुवीर सहाय

कविता केवल सौंदर्य का माध्यम नहीं बल्कि समाज को दिशा देने का समशक्त माध्यम भी है।
–गजानन माधव मुक्तिबोध

कविता विलाप के लिए उपयोगी स्थान है
कविता ऐसी जगह है
जहाँ हम रो सकते हैं।
– बेल हुक्स

कविता तो एक जीवन को तोड़कर सफल जीवन बनाती है और जो जीवन टूटता है वह कवि का है।
–त्रिलोचन